जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, सोमवार 2 जून, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

वंदे गंगा
जल संरक्षण
जन अभियान

5 जून से 20 जून 2025

गंगा दशहरा से शुभारंभ

पाणी रो मान राखो
जीवण रो ध्यान राखो

PMKSY

मुख्यमंत्री
जल स्वावलम्बन
अभियान

जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

वही काम करना ठीक है, जिसके लिए बाद में पछताना ना पड़े, और जिसके फल को प्रसन्न मन से भोग सके। –बुद्ध

आप क्यों दूसरों को मुसीबत में डाल रहे हैं?

आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी के बड़े साहित्यकार थे। साहित्य का शायद ही ऐसा कोई विद्यार्थी या अध्येता हो जिसने उनका 'हिंदी साहित्य का इतिहास' नहीं पढ़ा हो। इन्हीं रामचंद्र शुक्ल का एक अत्यंत लोकप्रिय निबंध है, 'कविता क्या है'। वैसे तो इस निबंध की विषय वस्तु इसके शीर्षक से ही स्पष्ट है, इस निबंध में इसके अतिरिक्त भी बहुत कुछ है। आज मुझे इस निबंध की यह बात याद आ रही है कि जैसे-जैसे हम अधिक सभ्य होते जा रहे हैं, छल कपट और दूसरों को हानि पहुंचाने के हमारे तरीके भी बदल रहे और अधिक जटिल होते जा रहे हैं। आज कोई आपको मारपीट कर आपका पर्स छीन लेने की बजाय आपके बैंक खाते में सेंध लगाकर आपको नुकसान पहुंचाना ज़्यादा पसंद करता है। जब तक आपको पता चलता है, आपका खाता साफ़ हो चुका होता है। आपको प्रायः यह भी पता नहीं चलता कि यह अपराध किसने किया है, जबकि मारपीट कर आपका पर्स छीनने वाले को आप देख चुके होते हैं और ज़रूरत पड़ने पर उसे पहचान भी सकते हैं। यह एक उदाहरण है। इसी तरह किसी को आपको नुकसान पहुंचाने के लिए आपके पास आने की भी ज़रूरत नहीं रह गई है। वह दूर से, बहुत दूर से भी ऐसा कर सकता है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इस बात की याद आई मुझे इन दिनों हो रहे बहुत सारे साइबर फ्रॉड्स की चर्चाएं पढ़ते-सुनते हुए। आपसे पूछता हूं, कि क्या आपने एक शब्द स्टेग्नोग्राफ़ी सुना है? अगर नहीं सुना है तो अब सुन लीजिए और इसके बारे में थोड़ा जान भी लीजिए। यह आपके बहुत काम की बात है। स्टेग्नोग्राफ़ी एक ऐसी तकनीक है जिसमें किसी चित्र, ऑडियो, वीडियो या टेक्स्ट में कोई जानकारी इस तरह छिपा दी जाती है कि देखने वाले को उसका पता नहीं चलता है। मान लीजिए मैंने आपको कोई तस्वीर भेजी – किसी प्राकृतिक दृश्य की, किसी भगवान की, किसी बच्चे या स्त्री की। या कोई गाना एमपी3 फॉर्मेट में भेजा। या फिर एमपी4 फॉर्मेट में छोटी-सी वीडियो क्लिप भेजी। या कोई लेख भेजा। आप तो यही मानेंगे कि यह निरापद है, सेफ़ है। लेकिन अगर मैं बदमाश हूं, मेरी नीयत खराब है तो मैं इनमें से किसी में भी ऐसा कोई मालवेयर छिपा कर आपको भेज सकता हूं जो आपकी गोपनीय जानकारी चुरा ले। गोपनीय जानकारी जैसे बैंक खाते का विवरण। जैसे कोई ओटीपी। जैसे आपकी आधार डिटेल्स। कुछ भी। यह स्टेग्नोग्राफ़ी इन दिनों खूब काम में ली जा रही है। और लोग लुट रहे हैं।

आम तौर पर हम क्या सावधानी बरतते हैं? यही कि किसी अनजान स्रोत से प्राप्त सामग्री के उपभोग से बचते हैं। यह सावधानी बरतना बहुत अच्छी बात है। और इससे हमारा थोड़ा बचाव होता भी है। लेकिन थोड़ा ही। ज़रा इस बात को समझें। हम में से हरेक को हर रोज़ अनगिनत संदेश मिलते हैं। सुबह-सुबह बहुत सारे गुड मॉर्निंग के संदेश, रात होते-होते ग़ुड नाइट के संदेश, भगवान की तस्वीरें – ये सारी चीज़ें हमारे वॉट्सएप में आती हैं। निश्चय ही हमारे अपने जो इस तरह के संदेश भेजते हैं, उनकी भावनाएं पवित्र और सकारात्मक होती हैं। वे हमारे शुभाकांक्षी होते हैं इसलिए यह पुण्य कर्म करने का श्रम करते हैं। इसी तरह हममें से हरेक को 2-3-4 दिन में किसी खोये हुए व्यक्ति के बारे में कोई संदेश मिलता है कि इसे सारे ग्रुप्स में भेज कर पुण्य कमाएं, या फिर किसी चेतावनी वाला, या स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के किसी फॉर्मूले वाला संदेश मिलता है। ऐसी अनगिनत चीज़ें हमें मिलती रहती हैं। फिर कहूंगा कि हमारे अपने जो ऐसे संदेश भेजते हैं उनकी भावना पवित्र होती है।

लेकिन अब ज़रा ठहर कर इस बात की तरफ ध्यान दीजिए कि आपके अपने आपको इस तरह के जो संदेश भेजते हैं वे स्वयं उनके द्वारा रचित/निर्मित होते हैं या किसी ने उनको भेजे हैं और उन्होंने सद्भावना में आपको फॉरवर्ड कर दिया है। अगर सावधानी से देखेंगे तो आप पाएंगे कि इस तरह मिलने वाले संदेशों में अधिकांश किसी और के द्वारा निर्मित और हमारे अपनों द्वारा केवल फॉरवर्ड किए हुए होते हैं। ये भगवान की तस्वीरें, गुड मॉर्निंग, गुड नाइट, फूल पत्तियां, सुभाषित – सब के सब किन्हीं अज्ञात, अनजान लोगों द्वारा निर्मित होते हैं और हमारे शुभाकांक्षी इन्हें फॉरवर्ड करके पुण्य कमाते हैं। अब सोचिये कि ये जो अनजान-अज्ञात हैं क्या इनमें कोई छलिया, अपराधी नहीं हो सकता? जिसने फूल पत्ती, भगवान या किसी मनोरम दृश्य की तस्वीर बनाई है या किसी की मदद करने का संदेश लिखा है या कोई उपदेश देने वाला वीडियो बनाया है, उसमें उसने स्टेग्नोग्राफ़ी का इस्तेमाल करके आपको नुकसान पहुंचाने या लूटने का इंतज़ाम भी तो किया हो सकता है! निश्चय ही सारे लोग बुरे नहीं होते। बहुत सारे लोग बड़े पवित्र भाव से ऐसा करते होंगे, लेकिन अगर कुछ लोग भी उनके बीच ऐसे हों और दुर्भाग्य से आप ही उनके शिकार बन जाएं तो?

स्वास्थ्य विषयक बहुत सारे वीडियो क्लिप इधर से उधर ठेले जाते रहते हैं। बहुत सारे तो ऐसे होते हैं जो प्रथम दृष्टि में ही मूर्खतापूर्ण लगते हैं, लेकिन उन्हें भी थोक के भाव आगे ठेला जाता है। मैंने तो बहुत बार ऐसे संदेशों पर अपने मित्रों परिचितों से बात भी की है, और उनका बहुत भोलेपन से भरा जवाब मुझे मिला है कि पीछे से आया था, हमने आगे भेज दिया। आश्चर्य और क्षोभ की बात यह कि उन्हें ऐसा करने का तनिक भी अफसोस नहीं होता। सोचिये, इस भोलेपन से व किसका भला कर रहे हैं? भला कर भी रहे हैं या नहीं? या किसी और की मुसीबत का इंतज़ाम कर रहे हैं!

इस सारी चर्चा के बाद आप भी सोचेंगे, और अगर न सोच रहे हों तो सोचें कि किसी अन्य और अज्ञात द्वारा तैयार किए गए संदेश भेजने के पीछे हमारी क्या मज़बूरी है? मैं पाता हूं कि बहुत सारे लोग हर सुबह भगवान की चार-पांच-छह या इससे भी ज़्यादा तस्वीरें बिना नागा भेजते हैं। भगवान में उनकी आस्था है, इस बात को मैं स्वीकार करता हूं और इस बात का सम्मान करता हूं कि वे भी मुझे अपने पुण्य में भागीदार बनाने को उत्सुक रहते हैं। लेकिन यह पवित्र काम क्या किसी और तरह से, जो सुरक्षित हो, नहीं किया जा सकता? आप दो शब्द – राम-राम, राधे-राधे, जय सिया राम, जय श्री कृष्ण कुछ भी ख़ुद टाइप करके भेज दें तो भी शायद इतना ही पुण्य आपको और आपके संदेश पाने वालों को मिलेगा। ऐसा करना सुरक्षित भी होगा। आपको कहीं से किसी खोए हुए बच्चे, पुरुष या स्त्री के बारे में संदेश मिला और आपने बिना एक पल भी विचार किए उसे पंद्रह बीस लोगों को अग्रेषित कर दिया। मैं चाहूंगा कि ऐसा करने से पहले आप सोचें। जल्दबाज़ी क्यों? आपको कौन 'दुनिया का सबसे तेज़ चैनल' होने का इनाम लेना है! किसी और के भेजे संदेश पर आपको आंख मूंद कर भरोसा क्यों कर लेना चाहिए? स्वास्थ्य विषयक बहुत सारे वीडियो क्लिप इधर से उधर ठेले जाते रहते हैं। बहुत सारे तो ऐसे होते हैं जो प्रथम दृष्टि में ही मूर्खतापूर्ण लगते हैं, लेकिन उन्हें भी थोक के भाव आगे ठेला जाता है। मैंने तो बहुत बार ऐसे संदेशों पर अपने मित्रों परिचितों से बात भी की है, और उनका बहुत भोलेपन से भरा जवाब मुझे मिला है कि पीछे से आया था, हमने आगे भेज दिया। आश्चर्य और क्षोभ की बात यह कि उन्हें ऐसा करने का तनिक भी अफसोस नहीं होता। सोचिये, इस भोलेपन से व किसका भला कर रहे हैं? भला कर भी रहे हैं या नहीं? या किसी और की मुसीबत का इंतज़ाम कर रहे हैं!

माना कि वॉट्सएप मुफ्त है और हमारे देश में इंटरनेट भी काफी सस्ता है। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि हम हर अनावश्यक संदेश को आगे भेजने की नादानी में डूबे रहें! अब, जबकि मैं आपको इस तरह के बग़ैर सोचे-समझे किए जाने वाले काम के ख़तरे की जानकारी दे चुका हूं, यह अनुरोध और करना चाहूंगा कि बेशक आप लोगों के प्रति सद्भावी बने रहें। हो सके तो अपनी सद्भावना को और बढ़ाएं। आप सबके भले की कामना करें। जिसमें भी आपकी आस्था है -किसी देवता में, किसी विचार में, किसी राजनीतिक दल में, किसी नेता में, किसी में भी-उसे बनाए रखें। यह आपकी आज़ादी है, और आपका अधिकार भी। लेकिन मेहरबानी करके अनावश्यक और किसी अज्ञात द्वारा निर्मित संदेश को, चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न हो, आगे ठेलने की आदत को तुरंत छोड़ दें। आपका ऐसा करना आपके प्रियजन को मुसीबत में पड़ने से बचा सकता है, और मुझे विश्वास है कि आप भी ऐसा ही करना चाहेंगे। आपको कोई संदेश देना है, उसे ख़ुद लिखें। अगर आपको तस्वीर भेजनी है, अपनी खींची हुई तस्वीर भेज दें। अपनी नहीं तो अपने किसी जानने वाले की खींची हुई भेज दें। लेकिन अज्ञात द्वारा रचित सामग्री को भेजने से बचें! ऐसा करना आपके और पूरे समाज के हित में होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

"विजन डॉक्यूमेंट 47- राजस्थान को पिछली असफलताओं से सीखने की कवायद"

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य, अपनी प्राकृतिक और ऐतिहासिक संपदा के लिए विश्व विख्यात है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे कई गंभीर चुनौतियां हैं, जो इसके विकास के मार्ग में बाधा बन रही हैं। विजन 47 एक ऐसे भविष्य की ओर इशारा करता है, जहां इन चुनौतियों का समाधान करते हुए राज्य को समृद्ध, समावेशी और सतत विकास की राह पर ले जाया जाए। केंद्र सरकार द्वारा तैयार किया जा रहा विजन इंडिया 2047 दस्तावेज, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है, राजस्थान जैसे राज्यों के लिए भी एक रोडमैप प्रदान करता है।

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की जनसंख्या 6.85 करोड़ थी, (जो अब अनुमानतः आठ करोड़ से अधिक है) जिसमें पुरुषों की संख्या 3.55 करोड़ और महिलाओं की 3.29 करोड़ थी। दशकीय वृद्धि दर 21.3प्रतिशत थी, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 29प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 19प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बाड़मेर जिला सर्वाधिक वृद्धि दर (32.5 प्रतिशत) वाला रहा, जबकि गंगानगर में सबसे कम (10 प्रतिशत)। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आबादी का दबाव, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, संसाधनों पर भारी बोझ डाल रहा है। थार मरुस्थल, जो राजस्थान के लगभग 62प्रतिशत हिस्से को कवर करता है, जल और कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण जनसंख्या प्रबंधन को और जटिल बनाता है। बढ़ती जनसंख्या के कारण जल, जमीन, और बुनियादी सुविधाओं की मांग बढ़ रही है, जो पहले से ही सीमित हैं। इसके परिणामस्वरूप, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में असमानता बढ़ रही है, और बुनियादी ढांचे, जैसे सड़क, बिजली, और आवास, पर दबाव बढ़ रहा है। बढ़ता शहरीकरण राजस्थान की एक और प्रमुख चुनौती है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की शहरी जनसंख्या 24.87प्रतिशत थी, जो अब और बढ़ कल 35प्रतिशत के आसपास है। शहरीकरण ने न केवल बुनियादी ढांचे पर दबाव डाला है, बल्कि मलिन बस्तियों, यातायात जाम, और प्रदूषण जैसी समस्याओं को भी जन्म दिया है। जयपुर, जिसे गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र है, लेकिन वहां अपर्याप्त आवास और स्वच्छता सुविधाओं ने शहरी गरीबी को बढ़ाया है। इसके अलावा, अनियोजित शहरीकरण के कारण कृषि भूमि का ह्रास हो रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है। शहरी क्षेत्रों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, जैसे अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ पेयजल की कमी, जीवन स्तर को प्रभावित कर रहा है। कृषि राजस्थान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन यह क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। राज्य का अधिकांश हिस्सा शुष्क और अर्ध-शुष्क है, और कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर है। सिंचाई की कमी के कारण किसान मौसमी बेरोजगारी और फसल खराब होने की समस्या से जूझ रहे हैं। थार मरुस्थल और अरावली पर्वतमाला की भौगोलिक स्थिति के कारण केवल 35प्रतिशत भूमि ही सिंचाई के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न को प्रभावित किया है, जिससे सूखे की स्थिति और गंभीर हो गई है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक है। छोटे और सीमांत किसानों, जो राजस्थान के अधिकांश किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, को आधुनिक तकनीकों और उन्नत बीजों तक पहुंच की कमी है। इसके परिणामस्वरूप, कृषि उत्पादकता कम है, और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान में एक और गंभीर मुद्दा हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी है। कुपोषण, विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं में, एक बड़ी समस्या है। 13 जनवरी 2025 को जयपुर जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया लाडेसर अभियान कुपोषित और अति-कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, कोटा-बूंदी क्षेत्र में 'सुपोषित मां' अभियान का तीसरा चरण 3 जनवरी 2025 को शुरू हुआ, जो गर्भवती महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है, और अंधविश्वास के कारण कई लोग पारंपरिक उपचारों पर निर्भर हैं, जो गंभीर बीमारियों के इलाज में अप्रभावी हैं। शहरी क्षेत्रों में भी, अस्पतालों में बिस्तरों और चिकित्सकों की कमी एक समस्या है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी राजस्थान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत राजस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जैसे स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एजुकेशन (एऐ)। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी, अपर्याप्त स्कूल सुविधाएं, और लड़कियों की शिक्षा में सामाजिक बाधाएं प्रमुख समस्याएं हैं। सावित्रीबाई फुले अभ्यास केंद्रों का उद्घाटन, जो 3 जनवरी 2025 को हुआ, शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम है। लेकिन, शिक्षा का स्तर अभी भी राष्ट्रीय औसत से नीचे है, और डिजिटल शिक्षा तक पहुंच की कमी ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन को और गहरा रही है। रोजगार की स्थिति भी राजस्थान में चिंताजनक है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर हैं, जो मौसमी और अनिश्चित है। शहरी क्षेत्रों में, अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता और कुशल रोजगार की कमी एक बड़ी समस्या है। राजस्थान सरकार ने एक नीति 2024 को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इसके बावजूद, बेरोजगारी दर, विशेष रूप से युवाओं में, अधिक है। शिक्षित युवाओं के लिए उपयुक्त रोजगार की कमी के कारण माइठोशन एक आम समस्या बन गई है, जहां लोग बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य राज्यों में जा रहे हैं।महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना राजस्थान में एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा है। हालांकि, राष्ट्रीय महिला आयोग के "महिला आयोग आपके द्वार" अभियान जैसे प्रयासों ने महिलाओं की शिकायतों के त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाए हैं। फिर भी, लैंगिक असमानता, बाल विवाह, और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी समस्याएं बरकरार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है, और सामाजिक रूढ़ियों के कारण उनकी भागीदारी आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में कम है। जयपुर पुलिस आयुक्तालय द्वारा शुरू किया गया 'ऑपरेशन गरिमा' महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक सराहनीय कदम है, लेकिन सामाजिक बदलाव के लिए दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। 'विकसित राजस्थान' के लिए तैयार की जा रही डाक्यूमेंटं को केवल अट्ठारह साल की अवधि (2023-2041) के लिए क्यों बनाया जा रहा है, यह एक विचारणीय प्रश्न है। इसका जवाब राजस्थान विजन-2030 दस्तावेज में निहित हो सकता है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था। यह दस्तावेज 2030 तक के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है, जो सामाजिक, आर्थिक, और औद्योगिक प्रगति पर केंद्रित है। अट्ठारह साल का समय संभवतः इसलिए चुना गया है, क्योंकि यह दो दशकों के करीब है, जो दीर्घकालिक नीतियों और परियोजनाओं के परिणाम देखने के लिए पर्याप्त समय देता है। यह अवधि सतत विकास लक्ष्यों के साथ भी संरेखित हो सकती है, जो 2030 तक के लिए निर्धारित हैं, और इसके बाद के दशक में उनके प्रभाव को मापने के लिए अतिरिक्त समय देती है। इसके अलावा, यह अवधि राजस्थान के युवा जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करने के लिए उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि राज्य की जनसंख्या में युवाओं का अनुपात अधिक है। हालांकि, इस समयसीमा की सीमित अवधि यह सवाल उठाती है कि क्या दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों को पूरी तरह संबोधित किया जा सकेगा। विजन इंडिया 2047 एक व्यापक राष्ट्रीय योजना है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था और 18,000-20,000 की प्रति व्यक्ति आय के साथ एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह योजना समृद्धि, आधुनिक बुनियादी ढांचा, और सामाजिक समावेश पर केंद्रित है। राजस्थान जैसे राज्यों के लिए यह दस्तावेज महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह स्थानीय चुनौतियों को संबोधित करने के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा प्रदान करता है। विभिन्न मंत्रालयों, अनुसंधान संस्थानों, और विशेषप्रतिशतों के साथ विचार-मंथन के बाद यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। लेकिन इसकी तैयारियों में कुछ संभावित कमियां उजागर हो रही हैं। पहली कमी अपर्याप्त स्थानीय भागीदारी है। विजन इंडिया 2047 में राष्ट्रीय स्तर पर नीतियां बनाई जा रही हैं, लेकिन राजस्थान जैसे राज्यों की स्थानीय आवश्यकताओं और भौगोलिक विविधताओं को शामिल करने में कमी हो सकती है। उदाहरण के लिए, थार मरुस्थल की जलवायु और जल संसाधनों की कमी को राष्ट्रीय नीतियों में पूरी तरह संबोधित करना चुनौतीपूर्ण है। दूसरी कमी श्रम बल भागीदारी की है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2022-2023 के अनुसार, भारत की श्रम शक्ति भागीदारी दर 40.4प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत 61.4प्रतिशत से कम है। राजस्थान में भी यह समस्या गंभीर है, विशेष रूप से महिलाओं के लिए, जहां सामाजिक रूढ़ियां उनकी आर्थिक भागीदारी को सीमित करती हैं। तीसरी कमी अनियोजित शहरीकरण से संबंधित है। विजन 2047 में आधुनिक बुनियादी ढांचे पर जोर है, लेकिन अनियोजित शहरीकरण और मलिन बस्तियों की समस्या को संबोधित करने के लिए स्पष्ट रणनीति की कमी हो सकती है। चौथी कमी पर्यावरणीय स्थिरता की है। जलवायु परिवर्तन और सूखे की समस्या को देखते हुए, विजन 2047 में पर्यावरणीय स्थिरता पर अधिक ध्यान देना होगा।

राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा की पहल (125 गीगावाट सौर ऊर्जा का लक्ष्य 2029-30 तक) सकारात्मक हैं, लेकिन जल संरक्षण और मरुस्थलीकरण जैसे मुद्दों पर और काम चाहिए। पांचवीं कमी सामाजिक समावेश से जुड़ी है। विजन 2047 में सामाजिक समावेश की बात की गई है, लेकिन महिलाओं, अल्पसंख्यकों, और ग्रामीण समुदायों के लिए ठोस नीतियों की कमी हो सकती है।भारत का विजन 2020 दस्तावेज, जिसे 2000 के दशक में तैयार किया गया था, 2020 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखता था। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, और आर्थिक विकास पर जोर था। हालांकि, कई क्षेत्रों में यह दस्तावेज अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहा, जो राजस्थान के संदर्भ में भी प्रासंगिक है। पहली कमी शिक्षा और स्वास्थ्य में अपर्याप्त प्रगति थी। विजन 2020 में 100प्रतिशत साक्षरता और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का लक्ष्य था, लेकिन राजस्थान में ठाामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और कुपोषण की समस्या बनी रही। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की साक्षरता दर 66.1प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 74 से कम थी। दूसरी कमी कृषि और ग्रामीण विकास में थी। विजन 2020 में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बात थी, लेकिन राजस्थान में सिंचाई सुविधाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों की कमी बनी रही। छोटे किसानों को वित्तीय सहायता और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में कमी रही। तीसरी कमी रोजगार सृजन में थी। विजन 2020 में बेरोजगारी कम करने का लक्ष्य था, लेकिन राजस्थान में कुशल रोजगार की कमी और माइग्रेशन की समस्या बरकरार रही। अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता ने आर्थिक असमानता को बढ़ाया। चौथी कमी महिलाओं के सशक्तिकरण में थी। विजन 2020 में लैंगिक समानता पर जोर था, लेकिन राजस्थान में बाल विवाह और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी समस्याएं कम नहीं हुईं। सामाजिक जागरूकता और कानूनी लागू करने में कमी रही। पांचवीं कमी बुनियादी ढांचे से संबंधित थी। हालांकि सड़क और बिजली जैसी सुविधाओं में सुधार हुआ, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमी और शहरी क्षेत्रों में अनियोजित विकास ने विजन 2020 के लक्ष्यों को प्रभावित किया। इन सभी चुनौतियों के बावजूद, राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन, जो राज्य की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा है, को और अधिक सतत और समावेशी बनाया जा सकता है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए खाटू श्याम जी से उज्जैन तक आध्यात्मिक कॉरिडोर और पुष्कर में ब्रह्मलोक कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 के तहत 2029-30 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा, 90 गीगावाट पवन और हाइब्रिड ऊर्जा, और 10 गीगावाट हाइड्रो पम्प स्टोरेज ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है। यह न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देगा, बल्कि रोजगार सृजन में भी योगदान देगा। भविष्य के लिए कुछ ठोस सुझाव इस प्रकार हैं। सबसे पहले, जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजस्थान में जल संकट को देखते हुए, ड्रिप इरिगेशन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, और जल संरक्षण नीतियों को प्राथमिकता दी जाए। दूसरा, शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। ठाामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। तीसरा, स्वास्थ्य सुधार के लिए मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देकर ठाामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत की जाएं। चौथा, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक अवसरों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और कानूनी सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं। पांचवां, नियोजित शहरीकरण के लिए अपशिष्ट प्रबंधन, हरित भवन, और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। छठा, कृषि में नवाचार, जैसे जैविक खेती और सूखा-प्रतिरोधी फसलों को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगा। सातवां, विजन 2047 में राजस्थान की स्थानीय समस्याओं को संबोधित करने के लिए पंचायतों और स्थानीय नेताओं को शामिल किया जाए। स्पष्ट है कि विजन इंडिया 2047 और 'विकसित राजस्थान' डाक्यूमेंट्र विकास के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं, लेकिन इनमें स्थानीय भागीदारी, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक समावेश पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। पिछले विजन 2020 दस्तावेज की कमियों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार में अपर्याप्त प्रगति, से सबक लेते हुए, नई योजनाओं को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। राजस्थान की भौगोलिक और सामाजिक चुनौतियों को देखते हुए, दीर्घकालिक और स्थानीय स्तर पर केंद्रित नीतियां ही 'विकसित राजस्थान' के सपने को साकार कर सकती हैं। यदि इन सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो राजस्थान न केवल भारत का, बल्कि विश्व का एक अठाणी राज्य बन सकता है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

जुलाई के अंतिम सप्ताह में जोधपुर से दिल्ली के बीच कई ट्रेनें रद्द रहेंगी

■ **दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के कारण ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा**

जोधपुर, (कासं)। जुलाई के अंतिम सप्ताह में जोधपुर से दिल्ली रेलवे स्टेशनों के बीच चलने वाली कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा जिसके अंतर्गत कई ट्रेनें रद्द रहेगी तथा कई परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएगी।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के कारण जुलाई में जोधपुर से दिल्ली के बीच ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा, जिसके तहत 20 से 28 जुलाई तक इस मार्ग पर जहां चुनिंदा ट्रेनें रद्द रहेगी वहीं कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

ट्रेन 22421 दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सालासर सुपरफास्ट दिल्ली सराय रोहिल्ला से 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप), ट्रेन 22422 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सालासर सुपरफास्ट जोधपुर से 21 से 29 जुलाई तक (9 ट्रिप) रद्द रहेगी। इसी तरह ट्रेन 12464 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला राजस्थान संपर्क क्रांति सुपरफास्ट जोधपुर से 24 जुलाई को (1 ट्रिप) रद्द रहेगी। ट्रेन 22481 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट जोधपुर से 20 से 27 जुलाई तक (8 ट्रिप) तथा ट्रेन 22482 दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सुपरफास्ट दिल्ली सराय रोहिल्ला से 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप) रद्द रहेगी।

वहीं ट्रेन 12323 हावड़ा-बाड़मेर सुपरफास्ट जो 22 व 25 जुलाई को (2 ट्रिप) हावड़ा से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली-दिल्ली केसरगंज-दयाबस्ती-पटेल नगर होकर संचालित होगी। ट्रेन 14088 जैसलमेर-दिल्ली रूणिचा एक्सप्रेस जो 26 व 27 जुलाई (2 ट्रिप) दिल्ली से रवाना होगी। वह परिवर्तित मार्ग पटेलनगर-दयाबस्ती-दिल्ली केसरगंज-दिल्ली होकर संचालित होगी।

ट्रेन 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी शालीमार एक्सप्रेस जो 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप) जम्मूतवी से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग पटेलनगर-दिल्ली केसरगंज-दयाबस्ती-दिल्ली होकर संचालित होगी, जबकि ट्रेन 14662 जम्मूतवी-बाड़मेर शालीमार एक्सप्रेस जो 26 व 27 जुलाई (2 ट्रिप) जम्मूतवी से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली-दिल्ली केसरगंज-दयाबस्ती-पटेलनगर होकर संचालित होगी। ट्रेन 20488, दिल्ली-बाड़मेर मालानी सुपरफास्ट जो 22 जुलाई को (1 ट्रिप) दिल्ली से प्रस्थान करेगी, वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली-दिल्ली केसरगंज-दयाबस्ती-पटेलनगर होकर संचालित होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 2 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र रात्रि 10:56 तक, व्याघात योग प्रातः 8:20 तक, गर करण प्रातः 8:17 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा रात्रि 8:35 से आरम्भ होगी। विवाह मुहुर्त मघा नक्षत्र में है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 7:19 तक, शुभ 9:01 से 10:43 तक, चर 2:06 से 3:48 तक, लाभ अमृत 3:48 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कन्या
घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। परिवार में मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 55 प्रभात जालोर, सोमवार 2 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अगले वर्ष भाजपा प.बंगाल में सत्तारूढ़ होगी: अमित शाह

उन्होंने आरोप लगाया कि ममता दीदी ने बंगाल को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार का केन्द्र बना दिया है

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने बंगाल की मातृ शक्ति से अपील की कि आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री को सिंदूर का असली मूल्य समझायें।
- शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए देश की सीमायें खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है।

कोलकाता, 01 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर जबरदस्त निशाना साधा और कहा कि राज्य में ममता दीदी की सरकार का समय समाप्त हो गया है और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यहां सत्तारुढ़ होगी।

शाह ने यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंसा मुक्त चुनाव में राज्य की जनता तृणमूल कांग्रेस की हार सुनिश्चित करेगी और वर्ष 2026 में भाजपा सरकार बनाएगी। मैं अपने सभी मंडल पदाधिकारियों को आश्वस्त करता हूं कि तृणमूल सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, हम जरुरत पड़ने पर दोषियों को जमीन के नीचे से निकालेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या के लिए उन्हें सजा मिले।

उन्होंने कहा ,लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। बंगाल में चुनावों के दौरान और दीदी (बनर्जी) की जीत के बाद सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मारे गए। दीदी, आप कब तक उनकी रक्षा करेंगी? अगर आप में हिम्मत है, तो हिंसा के बिना चुनाव कराएं और देखें कि क्या होता है। बंगाल की जनता सुनिश्चित करेगी कि आपकी जमानत जब्त हो जाए।

मुख्यमंत्री के उस आरोप का जवाब देते हुए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीतिक लाभ के लिए ऑपरेशन सिंदूर बेच रहे हैं, उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों ने परिवारों के सामने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। ?

आप मुझे बताएं – क्या पाकिस्तान द्वारा भेजे गए उन आतंकवादियों को सजा नहीं मिलनी चाहिए? क्या मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना सही नहीं था? यही बात दीदी के पेट में दर्द पैदा कर रही है।

जब बंगाल के लोगों को वहां मारा जा रहा था, तब दीदी अगर इस दर्द को व्यक्त करतीं तो सही होता। लेकिन तब उन्होंने कुछ नहीं कहा। अब जब मोदी जी ऑपरेशन सिंदूर के बाद यहां आते हैं, तो ऑपरेशन का विरोध करते हुए सस्ती राजनीतिक टिप्पणी की जाती है। आप सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं कर रही हैं – आप इस देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल की मातृशक्ति से अपील की कि वे मुख्यमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने की हिम्मत करने के लिए आगामी चुनाव में सिंदूर का सही मूल्य समझाएं। उन्होंने कहा,माताओं और बहनों, उन्हें दिखाएं कि सिंदूर का अपमान करने का सही मतलब क्या होता है!

शाह ने कहा, कई वर्षों तक बंगाल पर कम्युनिस्टों का शासन रहा। फिर ममता दीदी अपने 'मां–माटी–मानुष' (मां, मातृभूमि और लोग) के नारे के साथ आयीं। आज उन्होंने बंगाल की इस महान भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ दुर्व्यवहार का केंद्र बना दिया है।

शाह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा,बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं। बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगलादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। आप मुझे बताएं, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं।

उन्होंने कहा,क्या दीदी (ममता बनर्जी) इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल पद्म (कमल/भाजपा) सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है।

नेताजी इंडोर स्टेडियम में शाह ने अपने भाषण की शुरुआत रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने भाजपा के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी श्रद्धांजलि दी।

राम मंदिर में दूसरा प्राण प्रतिष्ठा उत्सव आज से

अयोध्या, 01 जून। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में नवनिर्मित दिव्य और भव्य राम मंदिर की द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने आज बताया कि राम मंदिर की दूसरी प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। दो जून को महिलाओं के द्वारा मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी। यात्रा सरयू तट के संत तुलसी घाट से अपरान्ह चार बजे से शुरू होगी और लता चौक से रामपथ होते हुए हनुमानगढ़ी, बड़ा स्थान व रंगमहल होकर श्रीराम मंदिर परिसर में यज्ञ मण्डप तक जायेगी।

- श्री रामजन्म भूमि ट्रस्ट के अनुसार, 5 जून को दिन में एक बजे आरती के साथ अनुष्ठान पूरा होगा।

चम्पत राय ने बताया कि इसके लिये पहले मां सरयू का पूजन एवं यजमान का प्रायश्चित कर्म भी सम्पादित होगा। तीन जून से अनुष्ठान का विधिवत् शुभारम्भ हो जायेगा। तीन व चार जून को सुबह साढ़े छह बजे से सायंकाल साढ़ छह बजे तक बारह–बारह घंटे का अनुष्ठान होगा। पांच जून को अनुष्ठान सुबह साढ़े छह बजे प्रारम्भ होगा और अभिजीत मुहूर्त में मध्यान्ह 11.30 बजे के बाद देवविग्रहों में प्राणों के आधान की प्रक्रिया होगी और फिर आरती के साथ अपरान्ह एक बजे अनुष्ठान की पूर्ण आहुति हो जायेगी। प्राण प्रतिष्ठा के लिये सभी तैयारियां वैदिक रीति–रिवाज के साथ की जा रही है ताकि यह समारोह पूर्ण विधि–विधान के साथ सम्पन्न हो।

जनरल चौहान के बयान के बाद कांग्रेस ने फिर संसद सत्र की मांग उठाई

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री कांग्रेस को निशाना बना रहे हैं, जबकि पाकिस्तान को निशाना बनाना चाहिए

- जयराम रमेश ने कहा कि ट्रम्प, वैंस, विदेश मंत्री रूबियो मध्यस्थता व व्यापार-टैरिफ धमकी की बात करते हैं, पर हमारे प्रधानमंत्री इन बातों का जवाब नहीं देते।

नई दिल्ली, 01 जून। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) अनिल चौहान द्वारा भारतीय फाइटर जैट गिरने के दावों पर दिए बयान पर भारत में सियासत तेज हो गई है। सीडीएस के बयान के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सिंगापुर में कल जनरल चौहान द्वारा किए गए खुलासे हमारी मांग को और भी प्रासंगिक बनाते हैं। अब संसद सत्र का परिणाम एक प्रस्ताव होना चाहिए, जो पीओके पर 22 फरवरी, 1994 के प्रस्ताव को दोहराए और नए तत्वों को शामिल करे।

उन्होंने कहा कि मैंने गिनती की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने वही बात दोहराई है जो वे 21 दिनों से कह रहे हैं। उन्होंने युद्ध विराम में मध्यस्थता करने का दावा किया है, उन्होंने जो नई बात कही है वह परमाणु हमले के बारे में है। उन्होंने अपने व्यापार और टैरिफ की धमकी को भी दोहराया है। विदेश मंत्री मार्क रुबियो, उपराष्ट्रपति जेडी वैंस और यहां तक कि उनके व्यापार सचिव ने भी यह कहा है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मगर हमारे प्रधानमंत्री चुप हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कही गई बातों का जवाब नहीं दिया है। वे कांग्रेस पार्टी को निशाना बना रहे हैं जबकि उन्हें पाकिस्तान को निशाना बनाना चाहिए। कांग्रेस ने 22 अप्रैल से शुरू होने वाले इस बड़े संकट के समय एकता और एकजुटता की मांग की है और हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। हमने केवल इतना कहा है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और संसद का सत्र बुलाएं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से मांग कर रही है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। 1962 के युद्ध के दौरान भी इसे बुलाया गया था, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि अब युद्ध समाप्त होने के बाद भी संसद का कोई सत्र नहीं बुलाया गया है। हर रोज सवाल उठ रहे हैं, उनमें सबसे बड़ा सवाल डॉनल्ड ट्रंप के दावों का है। हम युद्ध विराम की शर्तों को भी जानना चाहते हैं, यह अचानक क्यों किया गया और अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसकी घोषणा क्यों की? सीडीएस के बयानों ने फिर कई सवाल खड़े किए हैं। सरकार को आगे आने की जरूरत है। देश को हमारी रक्षा तैयारियों को जानने की जरूरत है।

राहुल 3 जून को एमपी में संगठन सृजन अभियान शुरु करेंगे

भोपाल, 01 जून। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान की शुरूआत के लिए मंगलवार को यहां आएंगे और संगठन स्तर की विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में अन्य वरिष्ठ नेताओं की आज यहां संपन्न हुयी बैठक में गांधी के दौरे के संबंध में व्यापक चर्चा हुयी। इस बीच मुकेश नायक ने बताया कि राहुल गांधी तीन जून को संगठन सृजन अभियान की शुरूआत करेंगे। वे अन्य बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। गांधी का मिनट टू मिनट कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है।

- भोपाल में कांग्रेस नेताओं की बैठक में उनके कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

'किसी को डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है'

नई दिल्ली, 01 जून। सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी कर दिया है। एक स्कूल और छात्रावास के प्रभारी ने एक छात्र की शिकायत पर छात्र को डांट दिया था। डांटने के बाद छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद आरोपी स्कूल प्रभारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने से ऐसी त्रासदी हो सकती है। पूरे मामले पर विचार करने के बाद हमें लगता है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह कल्पना नहीं कर सकता था कि एक छात्र की शिकायत के आधार पर छात्र को डांटने पर ऐसी घटना हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश पलट दिया। उच्च न्यायालय ने स्कूल प्रभारी को बरी करने से इनकार कर दिया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट का फैसला बदला व दोषी ठहराये गये व्यक्ति को बरी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्र की शिकायत पर डांटना एक उपचारात्मक उपाय है, जिससे लगे की शिकायत पर ध्यान दिया गया। आरोपी के वकील ने कहा कि डांट एक अभिभावक के तौर पर थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मृतक दोबारा गलती न करे। वकील ने दलील दी कि शिक्षक और मृतक छात्र के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं थे।

नासिक में अगले वर्ष 31 अक्टूबर से शुरु होगा कुंभ मेला

मुंबई, 01 जून। सिंहस्थ कुंभ मेला अगले वर्ष 31 अक्तूबर को नासिक के त्र्यंबकेश्वर के साथ–साथ रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा और 24 जुलाई, 2028 तक चलेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को 13 प्रमुख अखाड़ों के महंतों और पुरोहित संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद मेले की तारीखों का एलान किया।

- मुख्यमंत्री फड़नवीस ने अखाड़ों के साथ बैठक के बाद सिंहस्थ कुंभ मेले की तारीखों की घोषणा की।

तय कार्यक्रम के मुताबिक, सिंहस्थ की शुरुआत के बाद 29 जुलाई 2027 को नासिक में नगर प्रदक्षिणा होगी। पहला अमृत स्नान दो अगस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शेख हसीना पर बांग्लादेश ने नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया

बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन पर सामूहिक हत्या सहित कई आरोपों का संज्ञान लिया

- बांग्लादेश के इतिहास में पहली बार न्यायाधिकरण की कार्यवाही का टेलिविज़न पर सीधा प्रसारण हुआ।
- बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल करने के आदेश दिये। भविष्य में यह पार्टी चुनाव में भाग ले सकेगी।

ढाका, 01 जून। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और दो अन्य पर सामूहिक हत्या सहित कई आरोपों में अभियोग लगाया। पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई में उनकी कथित भूमिका के लिए उन पर आरोप तय कर दिए गए। अभियोजन पक्ष की ओर से औपचारिक रूप से आरोप लगाने के बाद तीन न्यायाधीशों की आईसीटी पीठ ने कहा, हम आरोपों को संज्ञान में लेते हैं। न्यायाधिकरण ने एक साथ शेख हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के खिलाफ एक नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। तीसरे आरोपी, तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना करने के लिए हिरासत में लिया गया है। बांग्लादेश के इतिहास में पहली बार न्यायाधिकरण की कार्यवाही का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को चुनाव आयोग को दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल करने का आदेश दिया। अंतरिम सरकार की ओर से इस पर प्रतिबंध हटाए जाने के करीब आठ महीने बाद यह फैसला आया है। इसके साथ पार्टी के भविष्य के चुनावों में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया।

रविवार को सुनवाई के दौरान मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने वीडियो साक्ष्य और विभिन्न एजेंसियों के बीच एन्क्रिप्टेड संचार का हवाला देते हुए कहा कि ये हत्याएं योजनाबद्ध थीं। इस्लाम ने कहा कि मामले में 81 लोगों को गवाह के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अभियोजकों ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार के प्रमुख के रूप में शेख हसीना अशांति के दौरान सुरक्षा बल के अभियानों की कमान संभालती हैं।

हसीना ने 15 साल तक शासन करने के बाद अगस्त में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लाखों प्रदर्शनकारियों के दबाव में वे बांग्लादेश से नई दिल्ली चली गईं। प्रदर्शनकारियों ने हफ्तों तक सड़कों पर उतरकर शेख हसीना से पद छोड़ने की मांग की थी। उन पर और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। इस्लाम ने पिछले महीने कहा था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में आँधी के बाद वर्षा ने तापमान गिराया

नई दिल्ली, 01 जून। दिल्ली–एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज दिन में कुछ और शाम को कुछ और नजर आता है। रविवार को भी ऐसा ही मौसम देखने को मिला। रविवार शाम को धूल भरी आंधी के बाद दिल्ली–एनसीआर के इलाकों में बारिश ने राहत दी। दिल्ली में तेज हवाओं के साथ बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया और इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गाजियाबाद में भी पहले आंधी और फिर बारिश दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से बने पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के कुछ जिलों में लगातार बारिश होने से तापमान में गिरावट आई है।

- राजस्थान में उदयपुर, शेखावाटी, बीकानेर व जयपुर में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुणे में झील में चार किशोर डूबे

मुंबई, 01 जून। महाराष्ट्र में पुणे जिले के चाकन के पास एक झील में शनिवार को तैरते समय चार किशोरों की डूबने से मौत हो गयी। अधिकारियों ने आज इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कल शाम को चारों शव पझर झील से बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार कल तैरते समय लड़के झील की गहराई

- अधिकारियों के अनुसार, तैरते समय लड़के झील की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरिस्का में बाघिन एसटी-19 ने 4 शावकों को जन्म दिया

क्षेत्र निरीक्षक संग्राम सिंह के अनुसार, सरिस्का में बाघों की संख्या अब 48 हो गई है

अलवर, 1 जून। सरिस्का टाइगर रिज़र्व के क्षेत्र निरीक्षक संग्राम सिंह कटियार ने बताया कि सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बरेली–बाड़ी क्षेत्र में बाघिन एसटी–19 ने 4 शावकों को जन्म दिया है। इससे पूर्व एसटी–12 व एसटी–22 बाघिन चार–चार शावकों को जन्म दे चुकी।

- इससे पहले एसटी-12 तथा एसटी-22 बाघिन चार-चार शावकों को जन्म दे चुकी हैं।

इसके साथ ही सरिस्का टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में अब बाघों की संख्या 48 हो गई है। कटियार ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने के साथ–साथ यह बाघ पुनर्स्थापना कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि वन विभाग के कार्मिकों ने नियमित निगरानी गश्त एवं कैमरा ट्रैक के माध्यम से बाघिन एसटी–19 के चार शावकों पुष्टि की है। शावक बाघिन के साथ अच्छे स्वास्थ्य में पाए गए। टाइगर रिज़र्व प्राधिकरण ने बाघिन और उसके शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है, जिसमें कैमरा ट्रैप और ग्राउंड पेट्रोलिंग का उपयोग कर मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम किया जा रहा है। कटियार ने बताया कि सरिस्का में अब कुल 48 बाघ हो गये हैं जिसमें 18 बाघिन, 11 बाघ एवं 19 शावक हैं। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बाघिन एसटी–19 शावकों के जन्म पर नये मेहमानों का स्वागत किया एवं शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व वन विभाग के कुशल प्रबंधन से प्रदेश के बाघ अभयारण्यों में निरन्तर बाघों का कुनबा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गत दिनों भी सरिस्का में एसटी–30 बाघिन के साथ तीन शावक तथा इसी वर्ष में रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व में 2 शावक, नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 5 शावक दिखे थे।

अलवर के सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बरेली-बाड़ी क्षेत्र में बाघिन एसटी-19 ने 4 शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही सरिस्का में अब कुल 48 बाघ हो गये हैं जिसमें 18 बाघिन, 11 बाघ एवं 19 शावक हैं।

बलात्कार के फरार आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

जयपुर, 1 जून। बलात्कार के मामले में फरार आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर बदमाश ने हमला कर दिया। बदमाश की फायरिंग में एक कांस्टेबल घायल हो गया। फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बदमाश का पीछा किया लेकिन उसे पकड़ने में नाकाम रहीं। यह मामला रामनगरिया थाना इलाके का है,

- कांस्टेबल को घायल कर आरोपी मौके से भागा, पुलिस पकड़ने में नाकाम
- मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने मकान का दरवाजा खटखटाया, एक युवक बाहर निकला, फायर करके दीवार फांद कर भाग गया।

जहां पर बजाज नगर थाना पुलिस बलात्कार के मामले में फरार आरोपी को स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से पकड़ने गई थी। आरोपी की लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम एक मकान पर पहुंची थी, जहां पर दरवाजा खटखटाते ही घर में छिपे बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस के अनुसार, 17 मई को एक युवती ने योगेंद्र शर्मा के खिलाफ रेप का मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में रविवार को पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर रामनगरिया थाना इलाके में गई थी। लोकेशन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमें नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले तैयार करने होंगे : वासुदेव देवनानी

शिक्षा में संस्कृति, मर्यादा और विज्ञान का समावेश जरूरी : देवनानी

हनुमानगढ़/जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को एक दिवसीय दौरे पर हनुमानगढ़ पहुंचे। इस दौरान वासुदेव देवनानी ने सूरतगढ़ रोड़ स्थित श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उन्होंने शिक्षा, राष्ट्रवाद, तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर सर्व सिख समाज और सिंधी समाज द्वारा विधानसभा अध्यक्ष का अभिनंदन भी किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने जंक्शन स्थित एक होटल में वैश्य समाज और हनुमानगढ़ टाऊन में पूज्य सिंधी पंचायत और भारतीय सिंधु सभा के सम्मान समारोह में भी शिकरत की।

देवनानी ने जाहरवीर गोगाजी की पावन धरती को नमन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान किसी भी राज्य से पीछे नहीं है। उन्होंने निजी शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के योगदान की सराहना की, लेकिन यह भी जोड़ा कि सम विकसित परिवर्तन जरूरी हैं, विशेष रूप से सीमावर्ती जिलों में जहां संभावनाएं अधिक हैं। उन्होंने समाज में गिरावट के लिए शिक्षण संस्थानों को भी जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जैसे विद्यार्थी तैयार होगा, वैसा ही भावी समाज बनेगा।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने श्री खुशाल दास विवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

पूर्व शिक्षा मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए देवनानी ने बताया कि उन्होंने 200 से अधिक वीर एवं वीरांगनाओं के नामों को पाठ्यक्रम में जोड़ा था। साथ ही उन्होंने कहा कि उस समय अकबर को 'महान' कहा जाता था, मैंने पाठ्यक्रम से वह अध्याय हटाकर महान महाराणा प्रताप को जोड़ा। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले तैयार करने होंगे। शिक्षा को आत्मनिर्भर बनाना होगा। देवनानी ने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की तकनीकी दक्षता ने चीनी तकनीकों को मात दी और आतंकवादी ठिकानों को सटीकता से नष्ट किया। देवनानी ने मेधावी छात्रों को इंगित करते हुए कहा कि निपुणता केवल अपने और नौकरी के लिए नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए होनी चाहिए। मैं जियूंगा तो देश के लिए, इस राष्ट्रवाद की भावना को विद्यार्थियों और आमजन में जगाना होगा। उन्होंने तक्षिशला, नालंदा, अजन्ता-एलोरा, और रामायण-महाभारत में विज्ञान के उल्लेखों को भारत की प्राचीन वैज्ञानिक समृद्धि का प्रमाण बताया।

देवनानी ने कहा कि वह शिक्षा में संस्कृति, मर्यादा और विज्ञान के तीन स्तरीय म्यूचुअल परिवर्तन की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि जीवन मूल्यों और देशभक्ति से भी जुड़ी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विदेश जाकर देश की आलोचना करते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। देश रहेगा तो हम रहेंगे, देश सर्वोपरि है। हर नागरिक को सीमा पर जाकर लड़ने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने आसपास सतर्क रहना चाहिए और जासूसी जैसे खतरों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत एक भावनात्मक देश है और आज के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में भी भावनात्मक जुड़ाव और मानवीय मूल्यों की आवश्यकता बनी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री ोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ मां के नाम पहल और ऑपरेशन सिंदूर को भावनात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से सैनिकों का मनोबल और जनता का जुड़ाव दोनों बढ़ते हैं।

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का एक दिवसीय हनुमानगढ़ दौरा, देवनानी ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की**

इस अवसर पर हनुमानगढ़ विधायक गणेशराज बंसल, पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप सहू, पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, बीजेपी एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, सिंधी समाज से रेवाराम, जनप्रतिनिधि अमित साहू, जनप्रतिनिधि काशीराम, देवेंद्र पारीक, गुलाब सिंवर, सुमित रणवा, बलवीर बिश्नोई, आईएमए प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एमपी शर्मा, एसडीएम मांगीलाल, सीओ मीनाक्षी, बाबूलाल जुनेजा, दिनेश जुनेजा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

277.480 किलो अवैध डोडा-पोस्त सहित कार जब्त

बनेड़ा थाना पुलिस आगे की जांच कर फरार कार चालक की तलाश कर रही है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की बनेड़ा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 277.480 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त कर इस्तेमाल की गई एक फॉर्च्यूनर गाड़ी को भी जब्त किया है।

एसपी धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार, जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृत्ताधिकारी शाहपुरा ओमप्रकाश विश्नोई के निर्देशन में बनेड़ा थानाधिकारी मूलचंद और डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। थानाधिकारी मूलचंद डीएसटी टीम के साथ गश्त और चेकिंग कर रहे थे, तभी उन्हें एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर कार दिखाई दी। पुलिस ने पीछा किया लेकिन कार चालक अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी छोड़कर भाग गया। कार में रखे 21 कट्टों में कुल 277.480 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त भरा हुआ था जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस आगे की जांच कर रही है और फरार कार चालक की तलाश जारी है।

बनेड़ा थाना पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त सहित फॉर्च्यूनर गाड़ी को जब्त किया।

दो पक्षों में पथराव, एक की मौत

करौली, (निसं)। करौली शहर के चटीकना मोहल्ले के कौआ खो क्षेत्र में बीती रात पथराव की घटना के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक घायल हो गया। इसके बाद मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

करौली के चटीकना मोहल्ले के कौआ खो क्षेत्र में शनिवार रात को दो परिवारों के बीच विवाद हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच हुए पथराव में हनीफ पुत्र सत्तार काजी की मौत हो गई। इस घटना में दो अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में मृतक का बेटा राजा भी शामिल है। विवाद कौआ खो के रहने वाले जमील पुत्र हक्कू और हनीफ पुत्र सत्तार काजी के परिवारों के बीच शुरू हुआ। झगड़े के दौरान दोनों तरफ से पथराव किया गया। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने हनीफ को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम और पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम के नेतृत्व में भारी पुलिस बल को घटनास्थल और जिला अस्पताल में तैनात किया गया। घटना के बाद पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर पर कालिख पोतने पर आक्रोश

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के सेवर थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कालिख पोत दी, जिससे गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने इस अपमानजनक कृत्य की निंदा करते हुए प्रदर्शन किया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही सेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायज़ा लिया। पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी में अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर को साफ करवाया और लोगों को शांत कराया।

- **ग्रामीणों ने इस अपमानजनक कृत्य की निंदा करते हुए प्रदर्शन किया**
- **पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी में अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर को साफ करवाया**

सेवर थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कालिख पोत दी।

ग्रामीणों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सेवर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि यह कार्य किसी असामाजिक तत्व द्वारा समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया है। पुलिस ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि इस शर्मनाक हरकत को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है, लेकिन ग्रामीणों की मांग है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए ताकि भविष्य में कोई इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न कर सके। मामला संवेदनशील होने के चलते पुलिस सतर्कता बरत रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में विश्व ने भारत के शौर्य और पराक्रम को चमत्कृत दृष्टि से देखा : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बातचीत की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विपक्ष की विशेष सत्र बुलाने की व्याकुलता पर कहा कि 20-25 दिन में मानसून सत्र प्रारंभ होने वाला है, तब उन्हें सवाल करने का पूरा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के पास छुपाने के लिए कुछ भी नहीं है। रविवार को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्ष के संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में संसद के दोनों सदनों में अपनी बात को पूछने की समुचित व्यवस्थाएं हैं। उनके (विपक्ष) मन की हर तरह की संशय के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विपक्ष के पास खाने के लिए ठोस कुछ नहीं होता, तब ऐसे विषयों को खड़ा करके ध्यान अपनी और आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर शेखावत ने कहा कि विश्व ने भारत के शौर्य और पराक्रम को चमत्कृत दृष्टि से देखा है। विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी पर शेखावत ने कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं की बातें सुनकर कभी-कभी हंसी आती है। जब पीएम मोदी बोलते हैं, तब कांग्रेस के सारे नेता मिलकर कहते हैं कि पीएम मोदी सिर्फ बोलते हैं। जब पीएम मोदी नहीं बोलते तो कहते हैं, तब कहते हैं कि पीएम मोदी बोलते नहीं हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक बार तय कर लेना चाहिए कि वे प्रधानमंत्री जी से क्या सुनना चाहते हैं? यदि बोलने का विषय है तो मुझे लगता है कि पिछले तीन दिन में देश के तीन अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री जी ने देश की वर्तमान स्थिति, ऑपरेशन सिंदूर और उन सभी मुद्दों पर विस्तार से बात की है, जिन पर विपक्ष जानना चाहता है।

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष में विश्व का भारत की ओर देखने का नजरिया बदला है : केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत**

पूर्व कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे सालेह मोहम्मद के निजी सचिव को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उनसे जुड़े सारे सुत्रों और तथ्यों की गहराई के साथ जांच होनी चाहिए। ऐसे लोग, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के साथ में जान बूझकर खिलवाड़ किया है, चाहे वो पूर्व मंत्री हो या अन्य कोई, सबकी गहराई के साथ जांच होनी चाहिए। उनके हर संपर्क और सूची की जांच होनी चाहिए। ऐसे राष्ट्र विरोधी तत्वों को किए की सजा मिलनी ही चाहिए।

ब्रिक्स में भारत के प्रतिनिधित्व पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष में विश्व का भारत की ओर देखने का नजरिया बदला है। आज भारत को देखकर लोग चमत्कृत हैं। विश्व के किसी भी प्लेटफार्म पर भारत को अनदेखा करके निर्णय नहीं हो सकता है। पिछले 11 वर्षों में विदेश नीति को भारत के हित में लागू किया है। प्रधानमंत्रीजी ने अपने व्यक्तिगत संबंधों से जिस तरह से कूटनीति संबंध स्थापित किए हैं, उसी का परिणाम है कि आज भारत हर स्टेज पर सेंटर स्टेज है, जो विषय हमने जी-20 के समय उठाए थे, उन सभी विषयों को आगे ले जाने का कार्य ब्रिक्स की समिट में किया गया है।

खेर की लकड़ी से भरा ट्रक जब्त

उदयपुर, (निसं)। डीएसटी एवं सविना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध खैर की लकड़ी से भरा ट्रक जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। सविना थाना अधिकारी अजयसिंह राव के नेतृत्व में एएसआई रघुवीरसिंह, हेडकांस्टेबल हितेन्द्र सिंह मय टीम ने शनिवार को गश्त के दौरान सविना हाइवे गोखर मगरी पर नाकाबंदी कर ट्रक को रोककर तलाशी ली, जिसमें राज्य में प्रतिबंधित 9 टन खेर की लकड़ी पाई गई। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लकड़ी मय ट्रक जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

कोटा : करंट की चपेट से कोचिंग छात्र की मौत

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में कोटा में रहकर जेईई की कोचिंग कर रहे एक नाबालिग छात्र की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक छात्र (17) वर्षीय उत्तरप्रदेश के मैनपुरी का रहने वाला था, जो पिछले महीने ही कोटा में कोचिंग के लिये आया था।

शहर पुलिस उपअधीक्षक लोकेन्द्र पालीवाल ने बताया कि उतर प्रदेश के मैनपुरी के मानिकपुर निवासी (17) जो हाल कोटा के सरस्वती रेजिडेंसी में किराये से रहता था। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि शनिवार रात्रि को छात्र द्वारा रेलिंग पर सुखाये कपड़े जो तेज हवा से उड़कर पास की टीन शेड और वहां से गुजर रही विद्युत लाइन पर लटक गये जिन्हे डंडे के सहारे उतारते समय छात्र को वहां से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से जोरदार करंट लगा और वह अचेत हो गया, जिसे उपचार के लिये निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मृतक छात्र के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मामले में हॉस्टल मालिक व संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

तीन मकानों में चोरी

उदयपुर, (निसं)। वाघपुरा थाना क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह के बदमाशों ने तीन मकानों से नकदी व जेवरात चुरा लिए, जबकि दो अन्य मकानों से बदमाशों को कुछ नहीं मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मई रात में वाघपुरा निवासी महेन्द्र पुत्र डांचलद कोठारी के मकान में घुसे चोर सोने की चूड़ियां, रकड़ी, चिप चुरा ले गए। इस दौरान पड़ोसी सुन्दर रावत के मकान से पायल व 10 हजार रूपये नकदी तथा हिम्मत भण्डारी के मकान से सोने की चार चूड़ियां चुरा ले गए। वारदात के दौरान चोर तीन अन्य मकानों में चोरी करने का प्रयास किया था।

जेईई-एडवांस्ड का रिजल्ट आज

कोटा, (निसं)। कोटा कोचिंग के लिए सोमवार का दिन बड़ा होगा। देश की सबसे कठिनतम एवं प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड का परिणाम 2 जून, सोमवार को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षा आयोजक संस्था आईआईटी कानपुर की ओर से जारी किए गए रिकॉर्डेड रेस्पोंस और प्रोविजनल आंसर-की के मिलान के आधार पर कोटा से एक बार फिर देश के बेहतर परिणाम संभावित है। टॉप-10 एवं टॉप-100 में बड़ी संख्या में कोटा के स्टूडेंट्स शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि आईआईटी कानपुर द्वारा 18 मई को दो पारियों में देश के 222 और काठमांडु व दुबई के साथ यह परीक्षा 224 शहरों में यह परीक्षा आयोजित की गई थी। परिणाम के साथ फाईनल आंसर की भी जारी की जाएगी। इस वर्ष 1.90 लाख स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

52.240 टन उर्वरक, कच्चा माल और पैकेजिंग सामग्री जब्त, गोदाम सीज़

सूरतगढ़, (निसं)। रिको इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स सॉयल टैक फर्टिलाइजर एंड केमिकल के गोदाम पर कृषि विभाग ने शनिवार रात बड़ी कार्रवाई की। उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के उल्लंघन पर विभाग की टीम ने करीब 52.240 टन उर्वरक, कच्चा माल और पैकेजिंग सामग्री जब्त कर गोदाम सीज कर दिया। यह कार्रवाई आयुक्त कृषि और संयुक्त निदेशक कृषि के निर्देश पर की गई। निरीक्षण दल का नेतृत्व उर्वरक निरीक्षक एवं उप परियोजना निदेशक (आत्मा) सुदेश कुमार ने किया। उनके साथ उप निदेशक कृषि डॉ. विनोद सिंह गौतम, सहायक कृषि अधिकारी बजरंग लाल और महेन्द्र कुलडिया शामिल रहे।

- **रिको इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स सॉयल टैक फर्टिलाइजर एंड केमिकल के गोदाम पर कृषि विभाग ने कार्रवाई की**

टीम ने सबसे पहले जे-61, इंडस्ट्रियल एरिया में जांच की, जो कंपनी के लाइसेंस पर दर्ज था, लेकिन वहां एसिड बैटरी निर्माण पाया गया। बाद में खोजबीन के बाद नया पता जी-106, 107 रिको इंडस्ट्रियल एरिया मिला, जहां टीम ने गोदाम पर छापा मारा। गोदाम बंद मिला, जिसे कंपनी प्रतिनिधि अनिल शर्मा को बुलाकर खुलवाया गया। निरीक्षण में सामने आया कि कंपनी नए पते पर बिना वैध अनुज्ञा-पत्र के उर्वरकों का उत्पादन और भंडारण कर रही थी, जो उर्वरक नियंत्रण आदेश की धारा 7 और 8 का उल्लंघन है। जांच के दौरान गोदाम में विक्रय बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर मौजूद नहीं थे। सोडियम सल्फेट, जिंक सल्फेट, एनपीके, सोली ह्युमिक, सल्फर, माइकोराजा, मैग्नीशियम सल्फेट जैसे उर्वरक उत्पाद और कच्चा माल मिला, जो अनुज्ञा-पत्र के दायरे से बाहर था। पैकेजिंग सामग्री भी गलत पते की पाई गई। सुदेश कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 की धारा 28 के तहत की गई है। जब्त की गई सामग्री की सूची तैयार कर आगे की कानूनी कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

दक्षिण भारत दर्शन यात्रा के लिए रेलवे स्पेशल ट्रेन चलायेगा

उदयपुर, (निसं)। भारतीय रेलवे की इकाई इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने एक नई पहल करते हुए दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। श्भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन नाम की यह विशेष ट्रेन 13 अगस्त को सीकर जंक्शन से अपनी यात्रा शुरू करेगी और 24 अगस्त को समाप्त होगी। यह ट्रेन श्रद्धालुओं को रामेश्वरम, कन्याकुमारी, मदुरै, तिरुपति और बालाजी जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन कराएगी।

यात्रा के दौरान खाने-पीने, ठहरने और स्थानीय आवागमन की सभी सुविधाएं ट्रेन पैकेज में शामिल होंगी। 12 दिन की इस यात्रा में ट्रेन जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ से भी यात्रियों को लेकर रवाना होगी। तीर्थ यात्रियों के लिए यह यात्रा धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संगम होगी। आईआरसीटीसी द्वारा इस यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में पैकेज तैयार किए गए हैं। यात्रा की शुरुआत रामेश्वरम से होगी, जहां 15 और 16 अगस्त को रात्रि विश्राम और मंदिर दर्शन होंगे। इसके बाद 17 अगस्त को मदुरै में मीनाक्षी मंदिर दर्शन, 18 अगस्त को कन्याकुमारी भ्रमण, 20 अगस्त को तिरुपति बालाजी मंदिर और 22 अगस्त को मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे।

फायरिंग व हमले का फरार आरोपी हिस्ट्रीशीटर यूपी से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी व रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने रंगपुर रेलवे पुलिया पर एक जने पर फायरिंग कर जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस टीम ने मामले में एक नाबालिग बालक को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 23 मई को फरियादी मोहम्मद उमर ने एमबीएस अस्पताल में पर्चा बयान दिया था कि 22 मई को रंगपुर रेलवे पुलिया के ऊपर मोहम्मद कलीम गौरी, आसिफ गौरी व कामरान गौरी उर्फ कम्मू व अन्य उसके साथियों ने हथियारों से फायर कर उस पर जानलेवा हमला किया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी के बयान पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के निर्देशन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा व रेलवे कॉलोनी थाना अधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मुखबीर की सूचना व तकनीकी आसुचना संकलन के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए विधि से संघर्षरत बालक को गंगापुर सिटी जिला सवाईमाधोपुर से डिटेन किया व आरोपी मोहम्मद कलीम गौरी (52) हाल रंगतालाब रेलवे कॉलोनी निवासी को उत्तरप्रदेश के आगरा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

- **पुलिस टीम ने मामले में एक नाबालिग बालक को विधि से संघर्षरत निरूद्ध किया**

फायरिंग के आरोपी हिस्ट्रीशीटर को उतर प्रदेश से गिरफ्तार किया

शहर एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद कलीम गोरी रेलवे कॉलोनी का हिस्ट्रीशीटर है, जिसने रेलवे स्टेशन पर स्टॉल ले रखी है एवं फरियादी मोहम्मद उमर की भी रेलवे स्टेशन पर स्टॉल है। दोनों के बीच कोटा जंक्शन पर वेण्डरों के द्वारा डिलेवरी किये जा रहे खाने-पीने के सामानों को बेचने को लेकर आपसी रंजिश चल रही थी। इसी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी मोहम्मद कलीम गोरी ने योजना बनाते हुए अपने बेटे आसिफ गौरी व कामरान गौरी व अन्य के साथ मिलकर रंगपुर पुलिया के ऊपर मोहम्मद उमर पर हथियारों से फायरिंग कर जानलेवा हमला किया।

सिलावट समाज ने होनहार विद्यार्थियों का सम्मान किया

जालोर में सिलावट समाज ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त प्रतिभाओं का सम्मान किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के सिलावटों का मोहल्ला किले की घाटी स्थित सिलावटान मदरसा में सिलावट समाज के बच्चों की ओर से दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर समाज की ओर से रविवार प्रात 9.30 बजे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक शहजाद खान सीनियर नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि सिलावट समाज धीरे-धीरे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ रहा है। पत्थर पर कलाकृति करने वाले इस समाज में शिक्षा के प्रति जागृति आई है ।सीनियर बोर्ड कला, वाणिज्य, विज्ञान वर्ग में समाज की बेटियों ने 75 प्रतिशत से अधिक प्राप्त कर समाज का मान बढाया है। वहीं 10वीं बोर्ड परीक्षा में भी समाज के बालक बालिकाओं ने उत्कृष्ट अंक अर्जित कर समाज को गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में अतिथि समाजसेवी व भामाशाह रहमान खान सिलावट, समाज के वरिष्ठ वयोवृद्ध सेवानिवृत्त व्याख्याता आबाद अली, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वीराना के प्रधानाचार्य फिरोज खान हब्शी, सिलावट समाज के पेश इमाम सलीम मुस्तफाई थे। कार्यक्रम का आगाज पेश इमाम द्वारा तिलावत ए कुरान से किया। सेवानिवृत्त व्याख्याता आबाद अली ने बच्चों को अधिकाधिक शिक्षित होकर उच्च पदों पर आसीन होने की नसीहत दी तथा उन्होंने हर संभव सहयोग का भी भरोसा दिलाया। वहीं प्रधानाचार्य फिरोज खान ने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढने पर प्रकाश डाला। पूर्व पार्षद अयूब शेख ने भी बच्चों को शिक्षित होने की बात कही।

अंत में समाजसेवी रहमान खान ने शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा बच्चों की हौसला अफजाई करने में सहयोग का भरोसा दिलाया। सिलावट समाज से दसवीं बोर्ड में फरहा पुत्री तालिब हुसैन 75.33 प्रतिशत तरन्नुम पुत्री सलीम खान 73.33 प्रतिशत, फरहान अख्तर पुत्र रफीक खान 73.13 प्रतिशत, मेहराज पुत्र मजीद खान 70.83 प्रतिशत, गुलफाम पुत्र आरिफ खान 68.50 प्रतिशत ,समीर खान पुत्र अशरफ खान 65 प्रतिशत , तोशिक रजा पुत्र उजीर खान 62.83 प्रतिशत सलोनी पुत्री हबीब रहमान 62.83 प्रतिशत अहवान अली पुत्र एजाज अली 62.33 प्रतिशत, सूफी रजा पुत्री शाहनवाज खान 56 प्रतिशत, हुमेरा अक्सा पुत्री इमरान खान 55 प्रतिशत, तौसीफ खान पुत्र इमरान खान , अयान हसन पुत्र अल्ताफ हुसैन , दिलसान पुत्र हसन खान 60 प्रतिशत, साजना पुत्री निसार खान अंक प्राप्त करने पर सिलावट समाज द्वारा इनका माला साफा पहनाकर और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

इसके साथ में सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में तौसीफ रजा पुत्र सलीम खान 75.20 प्रतिशत अंक लाने पर इनका भी सम्मान किया गया। सम्मान कार्यक्रम की सभी ने सराहना की।

इस अवसर पर छोटू खान , लियाकत अली, अयूब शेख, मुश्ताक खान, जानशेर खान, अरमान खान,वाजिद अली, असलम खा डी,इंसाफ अली, सिराजुद्दीन खान, आबाद अली,रशीद खान,हिदायत खान जाकिर खान, रुबाब खान, रफीक खान, साबिर खान,साबिर सागर ,मोहम्मद इफ्तिकार, एजाज अली ,शहजाद एस के, इकबाल खान, शाकिर खान सलीम खान, हिदायतुल्लाह खान,मुस्ताक खान जलाल खान, रफीक खान एच आदि उपस्थित थे।

बिजली व पेयजल संकट को लेकर प्रदर्शन कल

बाड़मेर, (कासं)। बाडमेर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही अघोषित बिजली कटौती, गंभीर पेयजल संकट तथा प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध बाडमेर विकास संघर्ष समिति के तत्वावधान में कल सोमवार को प्रात: 10 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर के सामने धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं युवा नेता आजाद सिंह राठौड़ ने बताया कि बाडमेर जिला इन दिनों बिजली और पानी की समस्याओं से जूझ रहा है। शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्र, हर जगह जनता परेशान है, किंतु प्रशासन एवं विभागीय अधिकारी आँखें मूँदे बैठे हैं। जनता की पीडा और जनहित के इन मुद्दों पर बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की निरंकुशता व हठधर्मिता के चलते क्षेत्रवासियों ने अब धरना-प्रदर्शन का रुख किया है। उन्होंने बिजली क्षेत्र में मांग की है कि आरडीएसएस की योजना का तकनीकी, भौतिक सत्यापन किया जाएं और जो काम अधूरे पडे हैं उनका पूरा विवरण जारी हो व शेष बचे काम कब तक पूरे होंगे , यह सार्वजनिक किया जाए। बाड़मेर विकास संघर्ष समिति के संयोजक मुलतान सिंह महाबार ने कहा कि लगातार हो रही बिजली कटौती के चलते आमजन भीषण गर्मी में त्रस्त है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की विकराल समस्या है, मवेशियों की प्यास से मृत्यु तक हो रही है।

जीवाणा में एन.एस.यू.आई. के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

जीवाणा में एन.एस.यू.आई. के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट जीवाणा के भारत माला सर्किल पर रविवार को सुष्मिता गर्ग के नेतत्व में कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी का स्वागत किया।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के जालौर आगमन पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। भारत माला सर्कल, जीवाणा में आयोजित स्वागत समारोह का नेतृत्व सुष्मिता गर्ग द्वारा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व महासचिव सद्दाम राजड, मंडल अध्यक्ष अयूब खान, महबूब, उप सरपंच प्रकाश मेघवाल, सद्दाम हुसैन (राजड), महेंद्र मेघवाल, विकास पटेल, विक्रम सिंह, गगन चौधरी, सुजानाराम, राजेंद्र दवे तथा फारूक जालोरी विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने वरुण चौधरी का पुष्पमालाओं व नारों के साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान चौधरी ने संगठन को मजबूत करने और युवाओं को सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती, युवाओं को संगठित करना एवं आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तय करने पर चर्चा हुई।

आमजन को दिया तम्बाकू मुक्ति का सदेश दिया

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के लोगों को विशेषरूप से युवाओं को तम्बाकू सेवन से होने वाले गम्भीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य हर वर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया जाता है । इसी क्रम में शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध के अवसर पर चिकित्सा विभाग एवं नारायणा हॉस्पिटल,अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में जिला मुख्यालय पर विशाल जनजागरण रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि शनिवार को प्रात: 9 बजे राजकीय बांगड़ चिकित्सालय के मुख्य प्रवेश द्वार से एक विशाल जन जागरण रैली का आयोजन किया गया, रैली में समस्त ए.एन.एम. प्रशिक्षणार्थी, समस्त जी.एन.एम. प्रशिक्षणार्थी, समस्त बी.एस.सी. नर्सिंग प्रशिक्षणार्थी, पाली शहर की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनियों ने भाग लिया। रैली को बांगड़ चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. एच.एम. चौघरी, कान नाक गला विभाग के प्रभारी डॉ. गौरव कटारिया, नारायणा हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. हेमन्त भटनागर तथा ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य के.सी. सैनी ने हरी झंडियां दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर बांगड़ चिकित्सालय स्थित ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र पर आकर विसर्जित हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि इसी अवसर पर पाली जिले में अलग अलग स्तरों पर विभिन्न जागरूकता गतिविधयां आयोजित की गई हैं। इसी श्रृंखला में शनिवार को ही प्रात: साढे दस बजे से बांगड़ चिकित्सालय के ऑडटोरियम में एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया,जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों को तम्बाकू के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। संगोष्ठी के दौरान कैंसर से ठीक हुये मरीजों तथा जिन लोगों ने तम्बाकू से मुक्ति पाई है, उनके अनुभव भी साझा करवाये गये तथा उन्होंने बताया कि तम्बाकू सेवन बहुत ही घातक है, इससे पूरा परिवार तबाह होता है। तम्बाकू से दूर रहने में ही समझदारी है।

तम्बाकू मुक्ति केन्द्र के सायकॉलोजिस्ट एवं ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य के.सी. सैनी ने बताया कि बांगड़ चिकत्सालय के ऑडिटोरियम में आयोजित सगोष्ठी में बांगड़ चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. एच.एम. चौधरी, सी.एम.एच.ओ. डॉ. विकास मारवाल, बांगड़ चिकित्सालय के कान नाक गला विभाग के प्रमुख डॉ. गौरव कटारिया, नारायणा हॉस्पिटल के सर्जिकल ऑन्कॉलोजिस्ट डॉ. रौनक व्यास, मैडिकल ऑन्कॉलोजिस्ट डॉ.रूषभ कोठारी ,नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य जे.एल. पालीवाल, समाजसेवी डॉ. के.एम. शर्मा ने सभी सहभागियों को विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने इस वर्ष की विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की थीम " अपील का पर्दाफाश: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति का पर्दाफाश " पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा बताया कि तम्बाकू उद्योग के लोग तम्बाकू उत्पादों के साथ भ्रामक जानकारी देकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं ,जिसका पर्दाफाश होना अब बहुत ही आवश्यक हो गया है। संगोष्ठी के अंत में सभी सहभागियों को तम्बाकु मुक्ति की शपथ भी दिलवाई गई। संगोष्ठी के समापन पर नारायणा हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. हेमन्त भटनागर ने चिकित्सा विभाग एवं सभी स्वास्थ्यकर्मियों को आभार प्रकट किया तथा चिकित्सा विभाग ,पाली के साथ पूरे साल आयोजित होने वाले विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में भी सहयोग करने की जिम्मेदारी का आहान किया।

श्रद्धांजलि दी

पाली,(नि.सं.)। पाली में ओलंपिक संघ ने नजर मोहम्मद उर्फ चिड़िया बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला ओलंपिक संघ के सचिव राजेश पाटनेचा ने बताया कि पाली जिले के बास्केटबॉल के सीनियर खिलाड़ी पाली जिले के गुरु द्रोणाचार्य नजर मोहम्मद उर्फ चिड़िया बाबू के आकस्मिक निधन पर उनके निवास स्थान पर जाकर उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष महिपाल सिंह निंबाड़ा ने कहा कि नजर मोहम्मद जी हमारे दिलों में हमेशा रहेंगे।

ओलम्पिक दिवस 30 को मनाएंगे

जालोर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस को जिलेभर में सफलतापूर्वक आयोजित करवाने के लिए जालोर जिला ओलम्पिक संघ कि वार्षिक साधारण सभा की बैठक का आयोजन रविवार को कृष्णा महल भीनमाल में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जालोर जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष प्रकाश बिश्नोई ने बताया की भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार जालोर जिला ओलंपिक संघ की और से 23 जून को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस को जिले भर में उत्सव के रूप में मनाया जाएगा । इस वर्ष का विषय चलें, सीखें,खोजें -एक बेहतर दुनिया के लिए एक साथ ओलम्पिक दिवस आधुनिक ओलम्पिक आंदोलन की स्थापना का एक वैश्विक उत्सव है और ओलम्पिक मूल्यों शारीरिक गतिविधि और सामुदायिक भागीदारी को बढावा देने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

जालोर जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव लाल सिंह सांखला ने जानकारी देकर बताया कि राजस्थान स्टेट ओलम्पिक संघ के निर्देशानुसार जालोर जिला ओलम्पिक संघ 23 जून को ओलम्पिक दिवस दौड, सांचोर में फुटबॉल खो-खो वॉलीबॉल रानीवाडा में एथलेटिक्स भीनमाल में कब्बड्डी सियाना और रायपुरिया में हॉकी जालोर में बास्केटबॉल कुश्ती मार्शल आर्ट सहित विभिन्न खेलों का आयोजन के साथ प्रत्येक आयु वर्ग के लिए फिटनेस और स्वास्थ्य अभियान, ओलंपिक मूल्यों पर सांस्कृतिक और शैक्षणिक सत्र, जिले के उत्कृष्ट एथलीटों और खिलाडियों के साथ बातचित कर उनका सम्मान एवं मार्गदर्शन किया जाएगा।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. राखी गुप्ता का स्वागत

पाली, (नि.सं.)। पाली रोटरी क्लब में रविवार को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ राखी गुप्ता के पहुंचने पर रोटरी क्लब पाली के सदस्यों ने उनका बैंड बाजा के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने रोटरी क्लब के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पूरे विश्व में 200 देश में रोटरी क्लब की शाखा और 14 लाख सदस्य है। राजस्थान में रोटरी क्लब वाटर कंजर्वेशन, एजुकेशन पर्यावरण हेल्थ आदि क्षेत्र में काम कर रही है। पाली रोटरी क्लब की सेवा क्षेत्र में अलग से पहचान है। पाली रोटरी क्लब शाखा में 1 साल में 51 ऐतिहासिक कार्य किया। देश की पहली रोटरी डिस्पेंसरी खोली, स्वरोजगार पर्यावरण संरक्षण के साथ जरूरतमंद मरीजों, मूक पशुओं की सेवा की।

बांगड़ अस्पताल में 25 लाख लागत की फेक्रो मशीन भेंट की। 50 सरकारी विद्यालय में टीवी लगे। बालिया स्कूल में प्याऊ का निर्माण, तीन गर्ल्स स्कूल में टॉयलेट निर्माण पर्यावरण क्षेत्र में कपड़े की थैलियां बांटना, 4 हजार पशुओ के रिफ्लेक्टर लगवाना, 8 हजार परिंडे लगाए, 50 महिलाओं को सिलाई मशीन, तीन चूड़ी लगाने की मशीन, वितरित की। जिससे महिला स्वालंबी होकर अपना रोजगार कर रही है। पूरे 1 साल तक कई ऐतिहासिक कार्य किया।

इस मौके पर अध्यक्ष तारा प्रकाश खंडेलवाल, सचिव वर्धमान भंडारी, असिस्टेंट गवर्नर राजकुमार मेड़तिया, पाली विधायक भीमराज भाटी, आगामी अध्यक्ष दिनेश चंद्र मेहता मौजूद रहे। इस अवसर पर रोटरी क्लब के दर्जनों सदस्य मौजूद रहे।

चोरी का माल खरीदने का आरोपी गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने रविवार को चोरी का माल खरीदने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

मोटाराम गोदारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जालोर एवं गौतम जैन वृताधिकारी, जालोर के सुपरविजन में अरविन्द कुमार नि.पु. थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली जालोर द्वारा गठित टीम रामुराम सउनि. मय जाब्ता ने 12 मई को ग्रेनाईट फैक्ट्री में हुई केबल चोरी के प्रकरण मे चुराये हुए सामान को खरीदने वाले आरोपी बलवीर भाई पुत्र मदनलाल खटीक उम्र 57 साल निवासी रामपुरा कॉलोनी जालोर, पुलिस थाना जालोर को कस्बा जालोर से दस्तीयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी से प्रकरण मे मतलुब माल मसरूका नियमानुसार बरामद कर न्यायालय मे पेश किया गया।

पुलिस ने बताया कि सुरेश चौधरी ने रिपोर्ट दी कि उसकी ग्रेनाईट फैक्टी में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा केबल काटकर टैक्सी में भरकर ले गये, जिसपर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान रामुराम सउनि के हवाले किया गया।

इंवेस्टमेंट के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ क्षेत्र डिगाड़ी में रहने वाले एक युवक को यूएसडीटी में इंवेस्टमेंट के नाम पर 30 लाख रूपए हड़पने का मामला दर्ज हुआ है। पीड़ित ने भोपालगढ़ के एक युवक के खिलाफ इस बारे में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

बनाड़ थाने के एएसआई बिंजाराम ने बताया कि मूलत: भोपालगढ़ के बासनी सांदुआ हाल डिगाड़ी स्थित सरदारप विहार निवासी रतन सिंह चारण ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया है कि भोपालगढ़ का रहने वाला रवि गहलोत उसका परिचित है और दो साल पहले उसने बताया कि वह कमोडिटी यूएसडीटी का काम करता है और इंवेस्टमेंट करने पर अच्छा मुनाफा कमा सकता है। इसके झांसे में आए रतन सिंह ने यूएसडीटी में पैसा लगाना शुरू कर दिया। कुछ दिन तक तो उसे लाभांश मिलता रहा बाद में वह टालमटोल जवाब देता रहा। तकरीबन दो साल में उसने 30 लाख रूपए हड़प लिए और यूएसडीटी में इंवेस्ट की बात की। एएसआई बिंजाराम ने बताया कि प्रकरण दर्ज किया गया है। अठिाम जांच की जा रही है।

गल्ले से रुपए पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के सालावास रोड स्थित एक किराणा दुकान में 29-30 मई की रात को अज्ञात चोर टिन शेड हटाकर एक लाख की नगदी चुरा ले गए। दुकानदार की तरफ से बासनी थाने में चोरी की रिपोर्ट दी गई है। फिलहाल पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश में जुटी है।

बासनी पुलिस ने बताया कि सालवास रोड बासनी द्वितीय चरण निवासी अशोक कुमार पुत्र नागरमल शर्मा ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी शिवम किराणा नाम से दुकान आई है। जहां पर 29-30 मई की रात में अज्ञात चोरों द्वारा टिन शेड हटाकर प्रवेश किया गया और गल्ले से एक लाख रूपए चुरा लिए गए। 30 की सुबह जब वह दुकान र आया तो चोरी का पता लगा। बासनी पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अब जांच आरंभ की है।

दुकानदार पर केस

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ रोड स्थित एक निजी अस्पताल के सामने आई होटल पर पुलिस ने रेड दी। होटल से पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त बरामद कर दुकानदार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि गट्टानी अस्पताल के सामने आई होटल अन्ना हजारे टी स्टाल पर अवैध रूप से डोडा पोस्त बिकता है। इस पर एसआई राजूराम आदि वहां पहुंचे। तब पुलिस ने टी स्टॉल पर सर्च किया।

अंतराष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता के लिये जालोर की छवि चौधरी व विहानराज रवाना

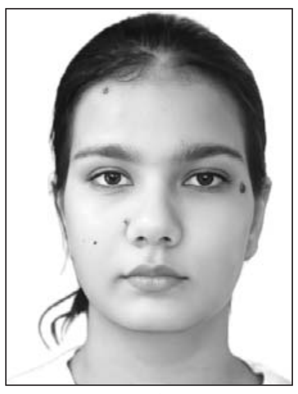

छवि चौधरी

विहानराज सक्सेना

जालोर, (कासं)। मास्को में 1 से 7 जून तक आयोजित होने वाली मास्को स्टार वुशू चैम्पियनशिप के लिए जालोर के दो खिलाडी शनिवार को रवाना हुए।

जिला वुशू संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा व अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने ने बताया कि जालोर की छवि चौधरी का चयन 75 किलो वजन वर्ग में व विहानराज सक्सेना का चयन 45 किलो वजन वर्ग में भारतीय वुशू टीम में हुआ है।

दोनों खिलाडी शनिवार को नई दिल्ली एयरपोर्ट से मास्को के लिए रवाना हुए। दोनों ही खिलाडी वीर विरमदेव स्पोर्ट्स एकेडमी में कोच प्रितम सिंह राठौड से नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। भारतीय वुशू टीम में जालोर के खिलाडियों का चयन होने पर राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, महासचिव ममता वर्मा, अंतर्राष्ट्रीय कोच राजेश कुमार टेलर, जिला वुशू संघ के संरक्षक दलपतसिंह आर्य, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, राजस्थान आर्य वीर दल के अधिष्ठाता विनोद आर्य,आर्य वीर दल जालोर के अध्यक्ष कृष्ण कुमार, संचालक प्रशांत सिंह, जिला खेल अधिकारी भरत सिंह गुर्जर, राष्ट्रीय निर्णायक ललित कुमार, जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष भरत मेघवाल, वूशु कोच देवेश आर्य, गणपत लाल आर्य, मोहनलाल आर्य,खेलो इंडिया कोच इमरान अली सहित खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

कार्यालय उप वन संरक्षक वन्यजीव, जैसलमेर

निविदा सूचनाएं 03/2025-26 से 06/2025-26

राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय निर्माण विभागों में सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि इस वन मण्डल के अधीनस्थ रेंजो में निम्नानुसार कार्य करने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । जिसका विवरण निम्न प्रकार है -

S.. NO	Name of Work	Estimate Qty and Unit	Cost (in Lac)	Security Deposit	Work Place	NIT No.	NIB Code	UBN No.
1	चारागाह विकास नवीन क्लोजर बरना में खड्डा खोदकर आर. सी.सी. पोस्ट फिक्सिंग (स्थापित) करना तराई सहित (As per G schedule)	As per G. Schedule	4.95	Rs. 9900	Barna Closure Range WL, Myajlar	03/2025-26	FOR2526A0250	FOR2526WSOB00335
2	चारागाह विकास नवीन क्लोजर चौहानी में खड्डा खोदकर आर. सी.सी. पोस्ट फिक्सिंग (स्थापित) करना तराई सहित (As per G schedule)		4.12	Rs. 8240	Chauhani Closure Range WL, Myajlar	04/2025-26	FOR2526A0251	FOR2526WSOB00336
3	चारागाह विकास नवीन क्लोजर कनोई में आर. सी.सी. पोस्ट फिक्सिंग (स्थापित) करना तराई सहित (As per G schedule)		2.67	Rs. 5340	Kanoi Closure Range WL, Jaislmer	05/2025-26	FOR2526A0252	FOR2526WSOB00337
4	चारागाह विकास नवीन क्लोजर बरना में आर. सी.सी. पोस्ट फिक्सिंग (स्थापित) करना तराई सहित (As per G schedule)		1.88	Rs. 3760	Ganga A Closure Range WL, Jaislmer	06/2025-26	FOR2526A0253	FOR2526WSOB00338

निविदा कार्यक्रम

क.सं	निविदा प्राप्त करने की तिथि	निविदा खोलने का समय
1	दिनांक 03.06.2025 दोपहर 01:00 बजे तक	दिनांक 03.06.2025 दोपहर 04:00 बजे

निविदा से संबधित समस्त विवरण एवं निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है । निविदा के विस्तृत नियम शर्ते एवं कार्य से संबधित मात्रा / संख्या एवं विशिष्टया आदि निविदा प्रपत्र में अंकित है ।

(बृज मोहन गुप्ता)
उप वन संरक्षक
वन्यजीव जैसलमेर

सार-समाचार

एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत जब्त मादक पदार्थ जलाकर नष्ट किया

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिले के विभिन्न पुलिस थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त मादक पदार्थों का न्यायालय के आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक बाड़मेर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा नष्ट करने योग्य मादक पदार्थों का शनिवार को गठित कमेटी की निगरानी में पुलिस फायरिंग रेंज में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ जब्ती के पुलिस थाना धोरीमन्ना के 17 प्रकरण, पुलिस थाना सेडवा के 9 प्रकरण, पुलिस थाना चौहटन व रागेश्वरी के 5-5 प्रकरण, पुलिस थाना शिव के 4 प्रकरण, पुलिस थाना ग्रामीण व धनाउ के 2-2 प्रकरण तथा पुलिस थाना बीजराड के 1 प्रकरण में इस प्रकार कुल 45 प्रकरणों में जब्त 11 क्विंटल 71 किलो 792 ग्राम डोडा पोस्त, 963 ग्राम 40 मि. ग्रा. स्मैक व 380 ग्राम 44 मि.ग्रा. एमडी (कीमतन करीब 4 करोड 44 लाख 53 हजार रूपये) को गठित कमेटी की निगरानी में इलेक्ट्रिक कांटे से वजन करवाया जाकर ताबाद तेल व लकड़ियों की सहायता से जलाकर नष्ट किया गया। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस, सुमेर सिंह ईन्दा, अपराध सहायक, सहायक उप निरीक्षक शेराराम ,जिला मालखाना प्रभारी तथा पुलिस थाना धोरीमन्ना, सेडवा, चौहटन, ग्रामीण, रागेश्वरी, शिव, बीजराड व धनाउ थानों के मालखाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बालेसर में दिनदहाड़े ज्वैलरी चोरी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के बालेसर कस्बे में दिनदहाड़े एक ज्वैलरी की दुकान पर अज्ञात महिलाएं दुकानदार को बातों में उलझा कर करीब डेढ लाख कीमत के चांदी के जेवर चोरी कर फरार हो गई। चोरी की वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है। दुकानदार शेखर सोनी ने बताया कि पुराना पुलिस थाना सडक़ की गली में उसकी ज्वेलरी की दुकान है। शनिवार को सुबह करीब 11.17 बजे चार महिलाएं उनकी दुकान में आई तथा दुकान में बैठे स्टाफ को पायल दिखाने के लिए बोला। चार महिलाएं एक साथ बोलने एवं चेहरे पर घूंघट होने से पहचान नहीं पाए। फटाफट सामान दिखाने के लिए बोला तो स्टाफ ने चांदी के डिब्बे निकाल कर उनके सामने रख दिए। एक महिला ने उनको बातों में उलझाए रखा तथा दो अन्य महिलाओं ने चोरी चुपके अपने कपड़ों में डालकर करीब 150 तोला चांदी के जेवर गायब कर दिए। और 11.28 बजे चारों महिलाएं दुकान से बाहर निकल गई। थोड़ी देर बाद जब दुकान के स्टाफ ने सामान को देखा तो चांदी के काफी आइटम गायब मिले। तब सीसीटीवी फुटेज चैक किए तो चारों महिलाएं जेवर चोरी करती हुई नजर आई। पुलिस को सूचना दी एवं महिलाओं की तलाश की लेकिन नहीं मिली।

राणा वाराह दहिया की जयंती मनाई

सायला, (निसं)। राणा वाराह दहिया सर्किल पर रविवार को दहियावटी के संस्थापक व जालोर शासक राणा वाराह दहिया की 83०वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। सुसज्जित हाथी पर विराजमान लाभार्थियों ने राणा वाराह दहिया की अश्वारूढ तस्वीर पर माला पहनाई। राणा वाराह दहिया की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान समाजबंधुओं द्वारा भव्य आतिशबाजी की गई। उल्लेखनीय हैं कि रियासत काल में राणा वाराह दहिया का जालोर रियासत पर शासन था। वर्तमान में जालोर का 64 गावों का क्षेत्र आज भी दहियावटी क्षेत्र के नाम से जाना जाता हैं। राणा वाराह दहिया महान परा मी शासक हुए हैं। इस दौरान जबरसिंह देता, पहाड़सिंह देता, मंगलसिंह सायला, विक्रमसिंह सायला, इंद्रसिंह सायला, उत्तमसिंह, भीमसिंह सायला, मेघसिंह तुरा, भंवरसिंह सुराणा, दुर्जनसिंह सुराणा, नरपतसिंह सुराणा, नारायणसिंह सुराणा, अभयसिंह सुराणा, सुजानसिंह सुराणा, वरदसिंह वालेरा, जबरसिंह आसाणा, छैलसिंह आसाणा, शंभुसिंह चौराऊ, रतनसिंह चौराऊ, बाबूसिंह सिराना, हुकमसिंह कोमता, राणसिंह कोमता, मालमसिंह सांथू , हरिसिंह थलवाड, रविन्द्रसिंह, अमरसिंह भुण्डवा, कालूसिंह वीराना सहित समाजबंधु मौजूद थे।

जोधपुर पुलिस ने पांच इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पुलिस ने तीन अलग-अलग ऑपरेशन में पांच इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन सगरवंशी, शकीरा और दंश के तहत की गई कार्रवाई में पकड़े गए बदमाशों पर कुल 1.20 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि सबसे बड़ी कार्रवाई ऑपरेशन सगरवंशी के तहत की गई, जिसमें 50 हजार का इनामी भागीरथ गिरफ्तार हुआ। राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में वांछित भागीरथ पर ड्रग्स और शराब तस्करी, हत्या का प्रयास, वाहन चोरी समेत दर्जनों मामले दर्ज हैं। सात साल से फरार भागीरथ को पकड़ने के लिए 10 महीने से विशेष अभियान चलाया जा रहा था। राजस्थान के बाड़मेर, बालोतरा, फलोदी, जोधपुर और जालौर में वह वांछित था।

पिछले छह महीने से गोवा में रह रहा भागीरथ ड्रग्स से कमाए पैसों को शराब की दुकानों में निवेश कर रहा था। उसने तीन दुकानें खरीद ली थीं और परिवार को भी गोवा शिफ्ट कर लिया था। हर एक-दो महीने में गुड़ामालानी आकर पुराने साथियों से मिलता और हिसाब-किताब कर लौट जाता।

पुलिस की साइक्लोनर टीम तीन बार गोवा गई, लेकिन वह हाथ नहीं लगा। अंतत: उसके ससुराल वालों की निगरानी से उसका पता चला और उसे दबोच लिया गया। पकड़े जाने पर भागीरथ ने अपनी पत्नी को कोसते हुए कहा कि उसी के चक्कर में नशे के धंधे में कूदा और आज उसी की संपत्ति खरीदने की जिद के कारण मार्केट आया और पकड़ा गया। नहीं तो कभी पकड़ा नहीं जाता। भागीरथ की पूछताछ से उसके सहयोगी दिनेश का पता चला, जिस पर 10 हजार का इनाम था। धोरीमन्ना में कॉलेज चलाने वाला दिनेश बड़े तस्करों को शरण देता था। वह पुलिस की हरकतों पर नजर रखता और अपराधियों को सतर्क करता था। उस पर हत्या का प्रयास, मारपीट और परीक्षा घोटाले के मामले दर्ज हैं।

20 हजार के इनामी राकेश मतवाला को कपरड़ा के खेजड़ली से गिरफ्तार किया गया। तीन साल से नशे के बड़े कारोबारी के रूप में उभर रहे राकेश पर तस्करी, आर्म्स एक्ट और वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। वह खेत की ऊंचाई पर बने ठिकाने में छिपा था, जहां पुलिस मोटरसाइकिल से पहुंची और उसे दबोच लिया।

इसी दौरान 10 हजार का इनामी सुनील भी पकड़ा गया, जो सांचौर के लक्ष्मण देवासी हत्याकांड में वांछित था। उसने अपना नाम रॉबिन बिश्नोई रख लिया था और दिनेश सहारण की बहन को धर्म बहन बनाकर उसके फार्म पर रह रहा था।

ऑपरेशन दंश के तहत बालोतरा से 30 हजार के इनामी दिनेश को पकड़ा गया। बालोतरा, बाड़मेर और चित्तौड़गढ़ में वांछित दिनेश पिछले 16 वर्षों से नशे का कारोबार कर रहा था।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि सभी बदमाश आपस में एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। पुलिस की विभिन्न साइक्लोनर टीमों ने लंबी निगरानी और रणनीतिक कार्रवाई से इन्हें गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में नशा और अपराध के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

एम.डी.एम. अस्पताल में ब्रेन एनीयुरिज्म का पहला सफल इलाज

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर अस्पताल (एमडीएम), जोधपुर ने न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 51 वर्षीय महिला रासल कंवर, जो गंभीर सिरदर्द, चक्कर और दृष्टि धुंधली होने की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचीं थीं, को जांच के बाद दाहिनी आंतरिक कैरोटिड आर्टरी में विशाल ब्रेन एनीयुरिज्म से ग्रसित पाया गया।

यह एक जटिल और जानलेवा स्थिति होती है, जिसके लिए एमडीएम अस्पताल में पहली बार अत्याधुनिक न्यूरोइंटरवेंशनल तकनीक - कोइलिंग और फ्लो डाइवर्टर - का उपयोग करते हुए सफल उपचार किया गया।

इस ऐतिहासिक चिकित्सा उपलब्धि का नेतृत्व न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. शरद थानवी ने किया। उन्हें इस कार्य में एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से आमंत्रित विशेषज्ञों - डॉ. त्रिलोचन श्रीवास्तव (सीनियर प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी) और डॉ. अशोक गांधी (सीनियर प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी) का सहयोग प्राप्त हुआ।

न्यूरोसर्जरी टीम में डॉ. हितेश पी. बुलचंदानी (असिस्टेंट प्रोफेसर) और रेज़िडेंट डॉक्टर्स डॉ. अमन राज, डॉ. राहुल राय, डॉ. मोहम्मद फैज़ मलिक, और डॉ. खगेश के. आनंद - शामिल रहे जिन्होंने सर्जरी की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. राकेश कर्णावत और डॉ. मनीष झा ने किया। जिनके साथ रेज़िडेंट डॉ. जीवन मोगली ने सहयोग प्रदान किया। इस जटिल और उच्च जोखिम वाली प्रक्रिया के सफल निष्पादन के लिए चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित और प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बी.एस. जोधा ने संपूर्ण टीम की सराहना की और इसे एमडीएम अस्पताल के लिए एक मील का पत्थर बताया।

इलाज के बाद रासल कंवर को आज स्वस्थ और स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

झूठा हलफनामा पेश करने वाले की याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने फार्मासिस्ट भर्ती प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेज और झूठा हलफनामा पेश करने वाले याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज कर दिया। फर्जी दस्तावेज लगाने पर याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इसके साथ ही फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन, 2015 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की ओर से अतिरिक्त राजकीय वकील (एजीसी) मुकेश दवे ने पैरवी की।

दवे ने बताया कि मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 22 मई को आदेश दिए थे। दवे ने बताया कि जोधपुर की मिल्कमैन कॉलोनी निवासी केदार रूप परिहार ने 25 अप्रैल 2023 को जारी विज्ञापन के आधार पर ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में फार्मासिस्ट पद के लिए आवेदन किया था। याचिकाकर्ता का दावा था कि उसके 67.43 प्रतिशत अंक थे, जो कट ऑफ से अधिक थे। इसके बाद भी उसका नाम अंतिम चयन सूची में नहीं आया। जवाब में विभाग ने

■ याचिकाकर्ता पर हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया, इसके साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए

बताया कि कोविड-19 की अवधि में सरकारी अस्पताल में कार्य अनुभव के लिए बोनस अंक नहीं दिए गए थे, क्योंकि उसी अवधि में याचिकाकर्ता निजी मेडिकल शॉप पर भी फार्मासिस्ट के रूप में कार्यरत था, जो नियमों के खिलाफ है।

सुनवाई के दौरान स्पष्ट हुआ कि याचिकाकर्ता ने बोनस अंक पाने के लिए न केवल झूठा हलफनामा दिया, बल्कि दस्तावेज सत्यापन के समय फर्जी डॉक्यूमेंट भी पेश किए। याचिकाकर्ता ने अपने पंजीकरण प्रमाण पत्र पर ड्रग लाइसेंस की समाप्ति तिथि 30 मार्च 2018 दर्शाई, जबकि लाइसेंस 24 जनवरी 2023 तक सक्रिय था।

कोर्ट में प्रस्तुत असली प्रमाण पत्र पर 30 मार्च 2018 की कोई प्रविष्टि नहीं थी, जिससे स्पष्ट हुआ कि दस्तावेज में सील और हस्ताक्षर फर्जी थे। हलफनामे में भी याचिकाकर्ता ने गलत जानकारी दी कि उसने अनुभव अवधि में किसी निजी मेडिकल शॉप पर कार्य नहीं किया, जबकि रिकॉर्ड में विपरीत तथ्य सामने आए।

सुनवाई करते हुए जस्टिस रेखा बोराणा ने कहा कि यह मामला न केवल सरकारी विभाग के साथ, बल्कि कोर्ट के साथ भी फर्जीवाड़े का है। याचिकाकर्ता ने अनुचित लाभ के लिए न केवल फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए, बल्कि कोर्ट में भी झूठे तथ्य पेश किए।

कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, जिसे एक माह के भीतर जमा कराने के आदेश दिए गए। साथ ही, कोर्ट ने फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन एक्ट 2015 की धारा 14 के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। संबंधित प्राधिकरण को 8 सप्ताह में कार्रवाई कर इसकी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

मासूम से अश्लील हरकतें, आरोपी को लोगों ने पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक क्षेत्र में नौ साल की मासूम से छेड़छाड़ किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में पकड़े गए आरोपी को लोगों ने पकड़ कर बिठाया और बुरी तरह पिटाई की, जिसका वीडियो रविवार को वायरल हुआ। आरोपी को पकड़कर बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। जांच कुड़ी थानाधिकारी हमीर सिंह की तरफ से की जा रही है।

कुड़ी पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने यह रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी नौ साल की बच्ची घर के बाहर गाय को रोटी देने आई थी। तब सामने एक व्यक्ति खड़ा था और उसने गलत इशारे करते हुए बच्ची को अपने पास बुलाया और अश्लील हरकतें की। इसका पता आसपास रहने वाले लोगों को लगा तो बदमाश को पकड़ लिया और पिटाई कर दी। पकड़े गए बदमाश को आसपास एकत्र हुए लोगों ने पहले बुरी तरह पीटने के साथ उसका वीडियो भी बनाया जो कि रविवार को सामने आया। आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी ने पूछताछ में खुद का नाम यासीन बताया है। इस पर बच्ची के पिता ने उसे नामजद करते हुए पुलिस में मामला दर्ज करवाया।

ग्लोबल प्लास्टिक प्रदूषण का अंत विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम

जोधपुर, (कासं)। केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के सहयोग से नगर निगम उत्तर की ओर विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में "ग्लोबल प्लास्टिक प्रदूषण का अंत विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम किए गए।

आयुक्त उत्तर सिद्धार्थ पालानीचामी ने बताया कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी रोकथाम करने और आम लोगों में जागरूकता लाने के लिए " ग्लोबल प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" थीम पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में नगर निगम उत्तर की ओर से उम्मेद उद्यान एवं घंटाघर क्षेत्रों में प्रतिज्ञा समारोह, प्लास्टिक क्लीन-अप ड्राइव और कपड़े के थैलों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही युवाओं को जोड़ते हुए पंजीकरण की प्रक्रिया भी संपन्न करवाई गई। उन्होंने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य आमजन को प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने के लिए प्रेरित करना और दैनिक जीवन में वैकल्पिक रूप से कपड़े के थैलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है । इस दौरान नगर निगम उत्तर नोडल अधिकारी अंकित पुरोहित, एनसीएपी कंसल्टेंट राकेश गोरा, एमआईएस इंजीनियर कानदास एवं सीएसआई टीम के सदस्य अनिल, पंकज और चिनू उपस्थित रहे। आयुक्त ने बताया कि नगर निगम जोधपुर उत्तर ने आगामी दिनों में एक मेगा इवेंट करने की योजना बनाई है, साथ ही हर माह जन जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है।

मुझे आउट करना आसान नहीं हो सकता। माना जा रहा है कि आईपीएल क्वालीफायर से पहले रोहित शर्मा ने विरोधी टीम को साफ संदेश दिया है। - रोहित शर्मा

मुंबई इंडियन बल्लेबाज, मजाकिया अंदाज में बच्चे के सवाल पर जवाब देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

प्रदीप नरवाल

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के ऑक्शन के पहले दिन जो हुआ उसकी शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। स्टार भारतीय कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल ऑक्शन में अनसोल्ड रहे। उनको किसी भी फ्रेंचाइजी ने अपने साथ नहीं जोड़ा। वे टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रेड पॉइंट वाले खिलाड़ी हैं। पटना पाइरेट्स को 3 बार प्रदीप नरवाल ने अपनी कप्तानी में प्रो कबड्डी लीग का खिताब जिताया है। वह डुबकी किंग के नाम से मशहूर हैं। नरवाल का कबड्डी के मैट पर डुबकी लगाना उनका सिग्नेचर मूव है। इस बार ऑक्शन में फ्रेंचाइजियों ने युवा खिलाड़ियों पर ज्यादा अच्छे नहीं रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स को मुंबई से 33 में से 17 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 2022 से उसने 5 में से 3 मैच जीते हैं। क्वालिफायर-2 में मुंबई 2 मैच जीती है और 2 हारी है।

रिंकू-प्रिया की 18 नवंबर को वाराणसी के ताज होटल में होगी शादी

नई दिल्ली, 1 जून। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और जौनपुर की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज का रिश्ता फाइनल हो गया है। आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद 8 जून को दोनों की सगाई होगी।ये सगाई लखनऊ के फाइव स्टार होटल में होने जा रही है जबकि शादी इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के ताज होटल में होगी। दरअसल, रिंकू और प्रिया की शादी की खबरें इस साल जनवरी में तब सुर्खियों में आई थीं जब प्रिया के पिता करकर तूफानी ने पुष्टि की थी कि उनके परिवार ने रिंकू के पिता के साथ शादी को लेकर बातचीत की है।पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वाराणसी के एक फाइव स्टारा होटल में शादी के सभी कार्यक्रम होंगे। वहीं सगाई में सीमित संख्या में गेस्ट शामिल होंगे। लखनऊ के 5 सितारा होटल में आयोजित होने वाली इस सगाई में 21 सासंदों को न्योता भाजा गया है। सगाई में पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पूरा परिवार आमंत्रित है। सगाई में भारती क्रिकेट टीम के कई बड़े खिलाड़ियों के भी शामिल होने की संभावना है। विराट कोहली और गौतम गंभीर भी सगाई में शामिल हो सकते हैं।

आदिल और साकिब ने वेस्टइंडीज को 308 के स्कोर पर रोका

कार्डिफ, 1 जून। आदिल राशिद (चार विकेट) और साकिब महमूद (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम को 47.4 ओवर में 308 रन के स्कोर पर समेट दिया। आज यहां इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेवेल एंड्रयू (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केसी कार्टी ने ब्रैंडन किंग के साथ संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी। 26वें ओवर में आदिल रशीद ने ब्रैंडन किंग को आउटकर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई।

मुम्बई इंडियंस ने दिया पंजाब किंग्स को 204 रनों का लक्ष्य

अहमदाबाद, 1 जून। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव (44-44) रन और जॉनी बेयरस्टो (38) और नमन धीर (37) रनों की पारियों की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने रविवार को वर्षा बाधित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 204 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने रोहित शर्मा (आठ) का विकेट जल्द ही गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने जॉनी बेयरस्टो के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। तिलक वर्मा ने 29 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से (44) रन बनाये। और सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से (44) रनों की पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो ने 24 गेदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये और नमन धीर ने 18 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (37) रन की पारी खेली।राज बावा आठ रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 203 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स की ओर से अजमतउल्लाह ओमरजई ने दो विकेट लिये। काइल जेमीसन, मार्कस स्टॉयनिस, विजयकुमार वैशक और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

रीतिका हुड्डा ने महिलाओं की 76 किग्रा फ्री-स्टाइल श्रेणी में जीता स्वर्ण पदक

उलानबटार, 1 जून। उलानबटार ओपन 2025 रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में भारत की रीतिका हुड्डा ने महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। पेरिस 2024 ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली 22 वर्षीय भारतीय पहलवान रीतिका हुड्डा ने शनिवार को नॉर्डिक सिस्टम में 3-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की, जिसका समापन अंतिम पूल मैच में घरेलू पसंदीदा और एनख-अमरिन दावानासन के खिलाफ 5-2 से जीत के साथ हुआ। इस दिन भारत ने अपने खाते में चार और पदक जोड़े। दीपक पुनिया ने (पुरुषों की 92 किग्रा), शिक्षा ने (महिलाओं की 65 किग्रा) और पुष्पा ने (महिलाओं की 55 किग्रा) में एक-एक रजत और जयदीप ने (पुरुषों की 74 किग्रा) में कांस्य पदक जीता। दीपक पुनिया ने लगातार तीन जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत की, जिसमें मंगोलिया के डेमचिगदोर तुमुरबाटर पर 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता और बैट-एर्डीन ब्याम्बासुरेन पर 4-1 के कड़े मुकाबले में जीत शामिल है। हालांकि, चोट के कारण उन्हें अस्काब सादुलाएव के खिलाफ अपने अंतिम मैच से हटाने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 74 किग्रा में प्रतिस्पर्धा कर रहे जयदीप सेमीफाइनल में ईरान के योनेस इमामी से 5-3 से हार गए। कांस्य पदक के मुकाबले में मंगोलिया के तुग्सजार्गल एर्डेनेबैट को हराया। इस बीच, शिक्षा और पुष्पा दोनों ने अपने-अपने भार वर्ग में रजत पदक जीता। पुष्पा ने शुरुआती हार से उबरते हुए मंगोलिया की दुलगुन बोलोरमा को मात दी और ओटगोंटुया बयानमुंख को हराया। लेकिन आखिर में स्वर्ण पदक से चूक गईं। शिक्षा ने महिलाओं की 65 किग्रा नॉर्डिक सिस्टम में चार मुकाबलों में तीन जीत हासिल की और दूसरे स्थान पर रहीं।

विराट कोहली की 18 नंबर जर्सी पर मुकेश कुमार ने किया कब्जा, इंग्लैंड में खेलता आया नजर

इंग्लैण्ड, 1 जून। विराट कोहली ने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी और इससे पहले वो साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं।

विराट कोहली 18 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरते हैं, लेकिन उनके टेस्ट रिटायरमेंट के बाद भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच एक अनौपचारिक टेस्ट मैच के दौरान एक भारतीय खिलाड़ी को 18 नंबर की जर्सी पहने देखा गया। मुकेश कुमार जो दो अनाधिकारिक टेस्ट मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल हैं उन्होंने अपनी जर्सी संख्या को 49 से बदलकर 18 कर ली है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 18 नंबर की जर्सी पहनकर खेल रहे हैं। मुकेश अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में 49 नंबर की जर्सी पहनते हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में 49 नंबर की जर्सी पहनकर खेला था। वैसे ये पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने अपनी जर्सी का नंबर हमेशा के लिए बदलकर 18 कर लिया है या ये सिर्फ मौजूदा मैच के लिए है।

इंटर को 5-0 से रौंदकर पीएसजी ने जीता चैंपियंस लीग का खिताब

म्यूनिख, 1 जून। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में मुकाबले में इंटर मिलान को 5-0 से रौंद कर पहली बार यूरोपीय चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। शनिवार रात एलियांज एरिना में खेले गये मुकाबले में लुइस एनरिक की युवा टीम ने मैच में शुरुआत से ही इंटर मिलान पर दबदबा बनाए रखा। पीएसजी के लिए पहला गोल 12वें मिनट में अशरफ हकीमी ने किया। इसके बाद डेजायर डोऊ ने 20वें और 63वें मिनट में गोल दागे। मैच का चौथा गोल ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने 73वें मिनट में किया। अन्य खिलाड़ी के स्थान पर खेलने मैदान में उतरे सेनी मायुलु ने 86वें मिनट में गोल दागकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही पीएसजी यूरोपीय कप जीतने वाला 24वां क्लब बन गया।

// रॉयल जयपुर शतरंज फीडे रेटिंग प्रतियोगिता //

प्रयागराज के 8 साल के शिवाय ने खिताब अपने नाम किया

जयपुर, 1 जून । शतरंज टूर्नामेंट में कल छठे राउंड तक काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन शिवाय, जो एक बार पहले टेबल पर कब्जा कर लिया था, अंत तक अपराजित रहा और शानदार अंदाज में खिताब जीता। शिवाय, जो सिर्फ 8 साल का है, ने राज्य के खिलाड़ियों के बीच खेलते हुए मंच तैयार किया और आखिरी 2 राउंड में ड्रा करके अपराजित और खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में समाचार जगत के तरूण रावल, मल्लिका अर्जुन डीआइजी रेलवे पुलिस, तरूण टाक सीईओ आईटी वॉयस, जयेंद्र चतुर्वेदी आयोजन सचिव, विजेंद्र चतुर्वेदी, रवि बजाज, निदेशक रॉयल जयपुर चेस क्लब, महेंद्र चतुर्वेदी, आदि उपस्थित थे।

11 वर्ष की आयु से लेकर 75 प्लस आयु तक के खिलाड़ी बालक- बालिका व महिला- पुरुष वर्ग में भाग लेंगे

आरडी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 9 से 16 तक

जयपुर, 1 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप कि आज प्रेस कॉन्फ्रेंस जय क्लब में संपन्न हुई इसे जिला अध्यक्ष अनिल मेहता सचिव मनोज दासोत व ट्रस्ट के आर डी बाहेती व प्रदीप बाहेती ने संबोधित किया जिला अध्यक्ष अनिल मेहता ने बताया यह प्रतियोगिता राजस्थान की जिला स्तरीय बैडमिंटन में सबसे बड़ी प्रतियोगिता होती है।

प्रतियोगिता 9 जून से 16 जून तक खेली जाएगी, इसमें 11 वर्ष की आयु से लेकर 75 प्लस आयु तक के खिलाड़ी बालक- बालिका व महिला- पुरुष वर्ग में भाग लेंगे। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय मानकों से खेली जाएगी तथा इस प्रतियोगिता में सभी वर्ग में सिंगल्स, डबल्स व मिक्स डबल्स की प्रतियोगिता होगी प्रतियोगिता चीफ रेफरी के के माथुर व वेटरन रेफरी जगदीश खत्री तथा विकास माथुर होंगे।

प्रतियोगिता की मैच कंट्रोलर अलवर के पंकज सैनी होंगे। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट मोमेंटो व मेडल दिए जाएंगे आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रदीप बाहेती जो कि स्वयं एक राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट सदा पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए तथा विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में निर्माण के लिए सदा सहयोग देता रहता है तथा गोवंश की रक्षा के लिए भी कार्य करता है इसके अलावा भी अब वह खेलों को और ध्यान देंगे तथा खेलों को बढ़ावा देंगे। इस मौके पर हास्य सम्राट आर डी बाहेती ने अपने जीवन के कुछ अनुभव से भी लोगों को परिचय कराया। कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बताया 14 जून से होने वाली राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता को देखते हुए अंडर 15 अंडर 17 वे सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं 12 जून तक संपन्न कर दी जाएगी। इस प्रतियोगिता द्वारा जयपुर जिला मिनी, सब जूनियर, जूनियर व सीनियर टीम का सिलेक्शन होगा लेकिन वेटरन टीम का सिलेक्शन इस प्रतियोगिता में नहीं होगा।

हिण्डौन सिटी

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, अनर्गल बयानबाज़ी कर रहे हैं कांग्रेसी : मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं की बयानबाज़ी पर करारा पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस के पास कोई ठोस विषय नहीं बचा है, जिसके चलते वे अनर्गल और भ्रामक बयानों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस अपनी आंतरिक कलह को छिपाने के लिए भाजपा पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस पहले अपनी आंतरिक कलह को संभाले, भाजपा में कोई अंतर्कलह नहीं है। वे न जाने कहां से विषय गढ़कर लाते हैं और फालतू की बातें करते हैं। भाजपा में तो सबकुछ सुव्यवस्थित और संगठित तरीके से हो रहा है। यहां तक कि शीर्ष नेतृत्व की ओर से भी भाजपा सरकार के कार्यों की सराहना की जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के नेता आपस में ही एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। "टीकाराम जूली, डोटासरा को, गोविंद सिंह डोटासरा, जूली को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। डोटासरा ने विधानसभा में जिस प्रकार अमर्यादित व्यवहार किया, वह शर्मनाक है। आज तक वे शर्म के मारे सदन में नहीं आ सके हैं। पहले वे अपना घर संभाले। भाजपा के सुशासन और पारदर्शी कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए राठौड़ ने कहा कि भाजपा "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की नीति पर काम कर रही है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनहित के कार्य किसी भेदभाव के बिना पूरे हों। यह सरकार सभी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए कांग्रेस को भाजपा सरकार को धन्यवाद देना चाहिए, न कि आलोचना करनी चाहिए।

- **'भाजपा सरकार के स्पष्ट निर्देश जनहित के कार्य बिना किसी भेदभाव के पूरे हों'**
- **'आतंकवाद पर पीएम को संबोधन पाक के साथ विश्व ने सुना, मोदी ने खुली चुनौती दी, ऐसे में विपक्ष का सवाल उठाना उचित नहीं'**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद जैसे विषयों पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने माफी मांगी है, सीजफायर की अपील की है, और हमारी शर्तों पर वार्ता की बात की है। यह भारत की दृढ़ नेतृत्वशक्ति का परिणाम है। ऐसे में विपक्ष की ओर से सीजफायर पर सवाल उठाना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो पहले अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में और फिर बीकानेर की जनसभा में भारत की आतंकवाद को लेकर अपनी नीति स्पष्ट कर दी। राठौड़ ने कहा कि संसद का सत्र भी समय पर शुरू हो जाएगा, इसके लिए विपक्ष को धैर्य रखनी चाहिए।

जब भाजपा ने शशि थरूर के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को लेकर एक टीम भेजी, तब भी कांग्रेस भ्रमित दिखाई दी। "अगर कांग्रेस नेताओं को अपने ही नेतृत्व से परेशानी है, तो उसमें भाजपा क्या कर सकती है?" राठौड़ ने कांग्रेस पर संवैधानिक मूल्यों के उल्लंघन का भी आरोप लगाते हुए कहा, "संविधान की हत्या कांग्रेस ने की है-एक बार नहीं, कई बार की। इन्होंने आपातकाल लगाया, चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया, निर्दोषों को जेल में डाला। अब भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं, यह सरासर अनुचित है। प्रधानमंत्री ने सदैव संविधान का सम्मान किया है। कांग्रेस नेताओं को अनर्गल बयान देने से बचना चाहिए।"

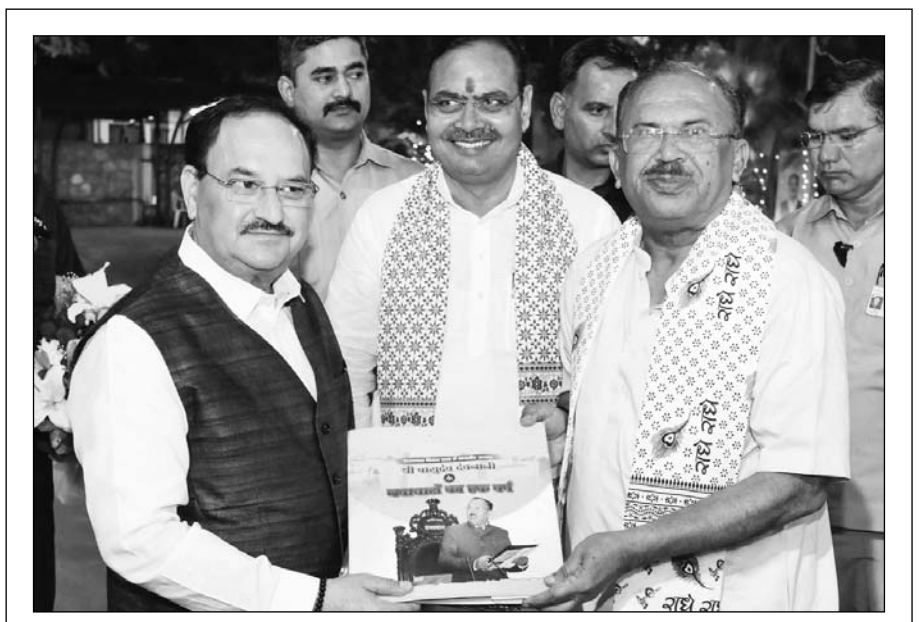

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का जयपुर आगमन पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे। देवनानी ने नड्डा को राजस्थान विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक और राजस्थान विधानसभा की डायरी भेट की। नड्डा ने भारतीय वर्ष के अनुसार विधानसभा की डायरी के प्रकाशन की सराहना की।

पृथ्वीराज नगर में हीरापुरा बस स्टैंड को शीघ्र प्रारम्भ करने के लिए आंदोलन शुरू

जयपुर। पृथ्वीराज नगर उत्तर और उसके आस पास की कॉलोनियों में विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं होने के कारण तथा एनएचएआई हाईवे अथॉरिटी की तानाशाही के कारण पृथ्वीराज नगर उत्तर एवं उसके आसपास की दो सो कॉलोनियों के हज़ारों लोगों की परेशानी को देखते हुए

- **200 कॉलोनियों के हजारों नागरिकों को 5-6 किमी के चक्कर लगाकर रोज़ 2-3 घंटे फसना पड़ रहा हैं जाम में**

पृथ्वीराज नगर जन अधिकार संघर्ष समिति ने आंदोलन प्रारंभ कर दिया है।

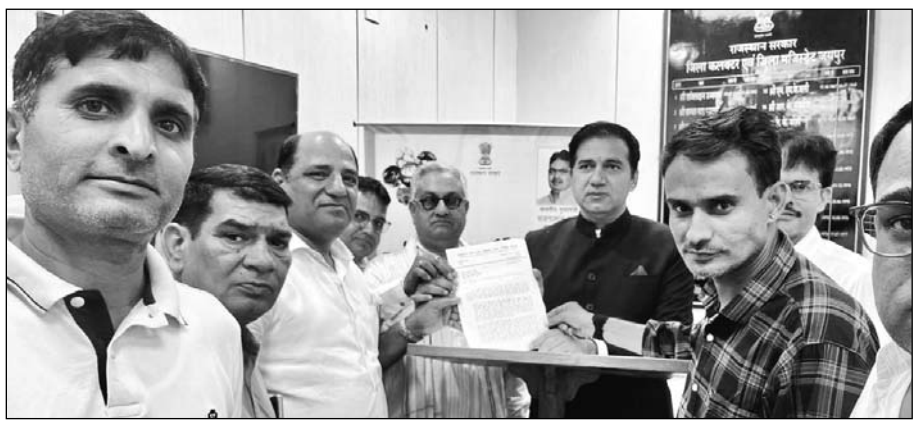

संघर्ष समिति ने रविवार को जिला कलेक्टर जयपुर जितेन्द्र कुमार सोनी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर आंदोलन की शुरुआत की।

संघर्ष समिति के संरक्षक अशोक शर्मा व अध्यक्ष घनश्याम सिंह एडवोकेट ने बताया कि संघर्ष समिति पृथ्वीराज नगर और उसके आस पास की कॉलोनियों की मूलभूत सुविधाओं और सुचारु विकास के लिए लंबे समय से आंदोलन करती रही है। अभी वर्तमान के जन प्रतिनिधि नाकारा साबित हो रहे हैं और पृथ्वीराज नगर उत्तर की सभी कॉलोनियों की स्थिति दयनीय हो रही है बरसात का मौसम आने को है लेकिन ड्रेनेज का कोई सिस्टम नहीं बनाया गया है तथा सड़कें पार्कि का विकास नहीं हो रहा है और सीवरेज का क्षेत्र में कोई अता पता नहीं है। हाईवे अथॉरिटी ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए दो सौ फीट चौराहा अजमेर रोड पर रजनी विहार कट को बंद कर रखा है जिसके कारण पृथ्वीराज नगर उत्तर और उसके आस पास की दो सौ कॉलोनियों के हज़ारों निवासियों के लिए जयपुर में प्रवेश करना दूभर हो गया है। उनको हमेशा पाँच छह किलोमीटर का चक्कर लगाकर तथा रोज 2-3 घंटे जाम में फँसना पड़ रहा है। कमला नेहरू नगर पुलिया के पास हिरापूरा बस स्टैंड नया बनकर तैयार हैं लेकिन सरकार उसको प्रारंभ नहीं कर रही है उससे भी दो सौ फीट चौराहे पर प्राइवेट व सरकारी बसों का जाम लगा रहता है। बस स्टैंड बनाने पर सरकार का धन व्यय किया गया है जिसको भी बेकार जाने दिया जा रहा है।

चालीस दिन सुखमनी साहिब पाठ व छबील का आयोजन

जयपुर। सिक्ख धर्म के प्रथम शहीद और पांचवे गुरू, शांति के पुंज, शहीदों के सरताज श्री गुरू अरजन देव जी की शहीदी को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क की ओर से 1 जून को झोटवाड़ा रोड, पुलिस चौकी के पास छबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आने-जाने वाले सभी लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क के सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने इस सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। गौरतलब है कि गुरु अरजन देव जी के शहीदी दिवस पर छबील का विशेष महत्व है। भीषण गर्मी के बीच गुरु अरजन देव जी को गरम तवे पर बैठा कर यातनाएं दी गई थीं। इसलिए उनके शहीदी दिवस पर आमजन को गर्मी में ठंडक पहुंचाने के लिए छबील का आयोजन किया जाता है।

गुरु अरजन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी, बनी पार्क के पाठ ग्रुप अपणी मेहर कर के सदस्यों ने 40 दिन लड़ीवार गुरूजी की बाणी सुखमनी साहिब का पाठ किया। इसकी शुरूआत 20 अप्रैल को की गई थी। सभी ने मिलकर 2001 सुखमनी साहिब पाठ किए। लड़ीवार सुखमनी साहिब पाठ का समापन 30 मई को किया गया। उल्लेखनीय है कि सिक्ख धर्म के प्रथम शहीद और पांचवें गुरु अरजन देव जी को मुगल बादशाह जहांगीर ने यातनाएं देकर शहीद किया था। गुरूग्रंथ साहिब में सर्वाधिक बाणी गुरु अरजन देव जी की है गुरु जी ने सब को हर कठिनाई के समय विनम्र रहने और परमेश्वर की रजा में खुश रहने का संदेश दिया जो कि आज के समय में पूरी मानव जाति के लिए आपसी भेद-भाव, अहम व घृणा समाप्त करके प्रेम पूर्वक रहना अति आवश्यक है।

गुरु अरजन देव के शहीदी दिवस पर आमजन को ठंडा शरबत पिलाया।

राजस्थान में 5 से 20 जून ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान'' चलाया जायेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रविवार को अभियान के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की

जयपुर, 1 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, राजस्थान जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में जल संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमारी सरकार भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य के लिए राज्य सरकार 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान'' चलाएगी। शर्मा ने कहा

- मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरुआत की जाए। ग्राम स्तर पर जल मित्र बनाकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को ''वंदे गंगा जल संरक्षण -जन अभियान'' के कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी।

कि अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण -जन अभियान के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सुखद संयोग है कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस तथा गंगा दशहरा एक ही दिन, 5 जून को है। हम इस दिन अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

शर्मा ने कहा कि अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरूआत की जाए। ग्राम स्तर पर जल मित्र बनाकर अधिक से अधिक लोगों की इसमें सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोकने के लिए बांध, ऐनिकट तथा नहरों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जाए, जिससे मानसून में बारिश के पानी का संग्रहण तथा भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। शर्मा ने कहा कि जल संग्रहण संरचनाओं एवं जलाशयों की साफ-सफाई के कार्यों में स्वयं सेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों सहित अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर श्रमदान कराया जाए। जिला स्तर पर हर दिन अलग-अलग विभागों द्वारा संयुक्त श्रमदान कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 जून को कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत हुए कार्यों का लोकार्पण होगा एवं नए कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि इस अभियान के लिए भामाशाहों तथा सीएसआर फंडिंग के माध्यम से आर्थिक सहयोग लिया जाए। शर्मा ने अभियान का सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से पर्याप्त प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 692.7 अरब डॉलर पहुँचा

मुंबई, 01 जून। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 23 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर लुढ़ककर 685.7 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी

- रिज़र्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 23 मई को समाप्त हुए सप्ताह में इसमें 6.9 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.5 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 586.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 2.4 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी हुई और यह बढ़ कर 83.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.1 करोड़ डॉलर के इजाफ़े के साथ 18.6 अरब डॉलर हो गया।

दो वर्ष की सजा के बाद अब्बास अंसारी की विधायकी समाप्त हुई

माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास व सहयोगी मंसूर, 2022 के चुनाव में भड़काऊ भाषण देने के मामले में दोषी करार

लखनऊ, 10 जून। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी को एक चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद रविवार को उन्हें उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

इस संबंध में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे ने आज अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार अब्बास अंसारी को 31 मई से अयोग्य माना जाएगा साथ ही मऊ सदर सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया है।

अब्बास अंसारी माफिया मुख्तार अंसारी का बेटा है। यह 2022 के चुनावों में मऊ सीट से जीता था, जब सुभासपा ने समाजवादी पार्टी (एसपी) के साथ गठबंधन किया था।

गौरतलब है कि अब्बास अंसारी को एक चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ भाषण मामले में मऊ जिले की एक विशेष अदालत ने दो साल की कैद और

- सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अब्बास अंसारी ने 2022 में मऊ सीट से विधानसभा चुनाव जीता था। उस समय सुभासपा का उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन था।

11,000 रुपये के जुर्माने की सजा शनिवार को सुनाई थी।

न्यायाधीश डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह की एमपी-एमएलए कोर्ट ने भड़काऊ भाषण मामले में मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे और उसके सहयोगी मंसूर अंसारी को दोषी करार दिया। दोषी पाए जाने के बाद पुलिस ने दोनों लोगों को हिरासत में ले लिया। विधायक को विभिन्न धाराओं में दोषी पाते हुए दो वर्ष के कारावास और विभिन्न धाराओं की कुल राशि में 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। विधायक अब्बास अंसारी के चुनाव एजेंट और सहयोगी मंसूर अंसारी को भी 6 माह के कारावास और 1000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने 3 मार्च 2022 की शाम नगर क्षेत्र के पहाड़पुरा मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को रोका जाएगा और सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के बाद किसी का तबादला नहीं किया जाएगा। सभी को यहीं रखा जाएगा और हिसाब-किताब किया जाएगा। इस मामले का संज्ञान लेते हुए उपनिरीक्षक गंगाराम बिंद की तहरीर पर नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया था।

तेज प्रताप यादव ने लालू-राबड़ी के नाम भावुक पोस्ट की

पटना, 01 जून। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने आज पार्टी और परिवार से निष्काषित किये जाने के बाद चुप्पी तोड़ी और अपने माता-पिता के लिये भावुक संदेश लिखा तथा अपने साथ राजनीति करने का आरोप लगाया है।

तेजप्रताप यादव ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने माता-पिता, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के लिए एक भावुक पोस्ट साझा की है। जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता को अपनी 'सारी दुनिया' बताया है।

तेजप्रताप यादव ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा,''मेरे प्यारे मम्मी पापा....मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़ कर हैं आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप हैं तो सबकुछ हैं मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और।''

तेज प्रताप ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत को भी याद किया और कहा, पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग।

गौरतलब है कि राजद प्रमुख यादव ने एक महिला के साथ तेजप्रताप यादव का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद 25 मई को सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने बड़े पुत्र तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से निष्कासित किये जाने की जानकारी दी थी।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2 जून से एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की प्रबल संभावना है और आंधी तूफान के साथ बारिश होने के आसार बन रहे हैं। आईएमडी के अनुसार अगले 4-5 दिन तक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से कम रहने की संभावना है।

राजस्थान के पूर्वी हिस्से में कुछ जगहों पर बारिश होगी। उदयपुर, शेखावाटी, बीकानेर और जयपुर में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि दक्षिणी राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा।

देश में करोना के सक्रिय केसों की संख्या 3783 पहुँची

सबसे अधिक केस केरल में, फिर महाराष्ट्र, कर्नाटक व दिल्ली में हैं

नई दिल्ली, 01 जून। भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार इस समय देश में कोविड-19 के सक्रिय मामले 3000 के पार पहुंच चुके हैं। केरल देश का वह राज्य है जहां पर केस तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से ताजा आंकड़ों से पता लगता है कि 25 मई के बाद से ही देश में कोविड-19 के आंकड़ों में 10 गुना तक इजाफा हुआ है। केरल के अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली इस वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

पिछले 9 दिनों में देश में कोरोना के केस में 1300 फीसदी का इजाफा

- सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि बैंगलुरु में वैक्सीन की तीनों डोज ले चुके मरीज की मौत हो गई।

हुआ है। वहीं देश में पिछले 48 घंटे में 21 मौतें हुई हैं। फिलहाल देश में 3783 एक्टिव केस हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि बेंगलुरु में वैक्सीन की तीनों डोज ले चुके मरीज की भी मौत हो गई है।

केरल में इस समय कोविड-19 के सबसे ज्यादा सक्रिय मामले हैं और यहां पर अब 1400 मरीज हैं। रविवार तक यहां पर 64 नए केसेज आए थे। इसके बाद नंबर आता है महाराष्ट्र का जहां पर रविवार तक सक्रिय मामलों की संख्या 485 थी जिसमें 1 जून को 18 नए मामले आए हैं। वहीं दिल्ली में रविवार सुबह 8 बजे तक कोविड के सक्रिय मामले 436 थे जिसमें 61 नए मामले 1 जून को आए।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोविड की वजह से देश में चार मौतें हुई हैं जिसमे से दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत शामिल हैं।

पंजाब में चार ड्रोन व दो पैकेट हैरोइन बरामद

जालंधर, 01 जून। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को पंजाब सीमा पर अलग अलग स्थानों से चार ड्रोन और दो पैकेट हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि सुबह के समय, बीएसएफ सैनिकों द्वारा एक तलाशी अभियान के दौरान अमृतसर जिले के गांव- रत्तनखुर्द के निकट एक खेत से क्षतिग्रस्त हालत में एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। बाद में सुबह, एक विशेष इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, पंजाब पुलिस के सहयोग से बीएसएफ सैनिकों ने तरनतारन जिले के गांव-

- एक विशेष इनपुट पर कार्यवाही करते हुए बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के सहयोग से यह सफलता हासिल की।

खेमकरण के निकट एक खेत से एक और डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन के साथ संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन-532 ग्राम) का एक पैकेट बरामद किया। एक अन्य मामले में स्थानीय किसान की सूचना के आधार पर चलाए गए तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप अमृतसर के धनोई खुर्द गांव के समीप एक खेत से एक और डीजेआई माविक-3 क्लासिक ड्रोन बरामद हुआ। शाम के समय, विशेष सूचना पर, पंजाब पुलिस के सहयोग से बीएसएफ के जवानों द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया।

गाज़ा में भोजन वितरण के समय गोलीबारी के विरोधी दावे

गाज़ा अधिकारियों का 32 मौत का दावा, इज़रायल व भोजन वितरण एजेंसी ने खबर को गलत बताया

गाज़ा, 01 जून। दक्षिणी गाज़ा के राफा क्षेत्र में रविवार को मानवीय सहायता वितरण के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम 32 लोगों की जान चली गई और 230 से अधिक घायल हुए हैं। यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में नागरिक भोजन सहायता प्राप्त करने के लिए केंद्रों के पास एकत्र हुए थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों और गाज़ा मीडिया कार्यालय के अनुसार, यह गोलीबारी राफा में एक सहायता वितरण स्थल और नेत्ज़ारिम कॉरिडोर पर हुई। राफा में 31 लोगों की मौत और 200 से अधिक घायल होने की पुष्टि की गई, जबकि नेत्ज़ारिम क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत और 32 घायल बताए जा रहे हैं।

घटना के बाद घायल नागरिकों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया

- गाज़ा अधिकारियों के अनुसार, भोजन वितरण केन्द्र के पास एकत्रित भीड़ पर गोलीबारी में 32 मरे व 230 से अधिक घायल हुए।
- इज़रायल ने इस विषय में कोई जानकारी होने से इंकार किया। ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने दावा किया कि रविवार को 16 ट्रकों के माध्यम से 8.8 लाख भोजन के पैकेट बांटे गये। उसने मृतकों की खबर को ''गलत और भ्रामक'' करार दिया।

है, लेकिन अस्पतालों की क्षमता सीमित होने के कारण इमरजेंसी सेवाओं पर अत्यधिक दबाव देखने को मिला। कई घायलों को फर्श पर या टेंटों में उपचार दिया जा रहा है।

इज़रायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने इस मामले में सीधे तौर पर गोलीबारी की पुष्टि नहीं की है। सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उनके जवानों की कार्रवाई से नागरिक हताहत हुए हों। आईडीएफ ने मामले की जांच जारी रखने की बात कही है। गाज़ा में भोजन वितरण की जिम्मेदारी अमेरिकी समर्थित ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने संभाली है। जीएचएफ का गठन उस समय हुआ था जब इज़रायल ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों पर हमास से सांठगांठ का आरोप लगाते हुए मानवीय सहायता पर नियंत्रण बढ़ाया था।

जीएचएफ का दावा है कि पिछले छह दिनों में उसने 47 लाख भोजन पैकेट वितरित किए हैं, और रविवार को ही करीब 8.8 लाख पैकेट 16 ट्रकों के माध्यम से बांटे गए। संगठन ने मृतकों की खबरों को ''गलत और भ्रामक'' करार दिया है।

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं ने जीएचएफ की सहायता वितरण प्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह व्यवस्था असुरक्षित है, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन करती है और भूख से बेहाल लोगों को खतरे में डालती है।

शेख हसीना पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बवाल के दौरान लगभग 1,500 लोग मारे गए और 25,000 घायल हुए।

दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय प्रभाग ने आयोग को पार्टी का पंजीकरण बहाल करने का निर्देश दिया। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह चुनाव आयोग (ईसी) पर निर्भर करता है कि वह तय करे कि जमात अपने पारंपरिक तराजू चिह्न का उपयोग करके चुनाव लड़ सकती है या नहीं?

ईसी ने दिसंबर 2018 में जमात का पंजीकरण रद्द कर दिया था, जो बांग्लादेश की 1971 में पाकिस्तान से स्वतंत्रता का विरोध करती रही थी।

बलात्कार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधार पर पुलिस एक मकान के बाहर पहुंची और मकान का दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खटखटाते ही एक युवक बाहर निकला और पुलिस को देखकर उसने फायर कर दिया। गोली कांस्टेबल रामवतार के हाथ को छू कर निकल गई। जिससे कांस्टेबल घायल हो गया। फायरिंग के बाद बदमाश दीवार फांदकर फरार हो गया। पुलिस ने गलियों में खोजबीन की, लेकिन पता नहीं चला।

सिक्किम में भारी वर्षा, 1350 पर्यटक फंसे

गंगटोक, 01 जून। सिक्किम में लगातार मूसलधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। विशेषकर उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां तीस्ता नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है और कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो गए हैं। जिसके कारण लाचेन में 115 और लाचुंग में करीब 1350 पर्यटक फंसे हुए हैं।

भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.) ने मंगन जिले के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जबकि नामची, सोरेंग, गंगटोक और पाकयोंग जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' घोषित किया गया है।

शनिवार रात फिदांग गांव और आसपास के इलाकों में बादल फटने से भारी तबाही हुई। तीव्र वर्षा और भूस्खलन के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और बिजली तथा संचार सेवाएं पूरी तरह बाधित हो गई हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जब तक मौसम साफ नहीं होता और सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं होता तब तक बचाव कार्य असंभव है।

- मंगन जिले में स्थिति गंभीर, तीस्ता नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ रहा है।

वर्तमान में रस्सियों और वैकल्पिक उपायों से ही बचाव की योजना बन रही है, लेकिन इसके लिए भी बारिश रुकना आवश्यक है। मोबाइल नेटवर्क ठप होने के कारण फंसे हुए पर्यटकों के परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। लाचुंग और लाचेन जैसे संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर आवागमन पूरी तरह बाधित है।

नासिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2027 को होगा, जबकि दूसरा अमृत स्नान 31 अगस्त को होगा और तीसरा और अंतिम स्नान 11 सितंबर को नासिक में और 12 सितंबर को त्र्यंबकेश्वर में होगा। 24 जुलाई 2028 को ध्वज को उतार दिया जाएगा। इसी के साथ 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले का समापन हो जाएगा।

यूक्रेन ने ड्रोन हमले से रूस के 40 विमान नष्ट किये

अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले में यूक्रेन ने साइबेरिया में एक एयर बेस को निशाना बनाया

कीव, 01 जून। यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है, जिसमें रूस के अंदर साइबेरिया में एक सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया है। यूक्रेनी ड्रोनों ने कम से कम 40 रूसी विमानों पर हमला किया। इरकुत्स्क क्षेत्र के रूसी गवर्नर ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेनी रिमोट-पायलट विमान ने एक गांव में एक सैन्य इकाई पर हमला किया, जो साइबेरिया में इस तरह का पहला हमला है।

यूक्रेनी मीडिया ने बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) की ओर से किए गए एक ऑपरेशन में रूसी संघ के पीछे स्थित हवाई अड्डों पर 40 से ज्यादा रूसी विमानों को निशाना बनाया गया। इसमें ओलेन्या और बेलाया के हवाई अड्डे भी शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि इस

- शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस हमले में रूस को करीब 2 बिलियन अमेरीकी डॉलर, अर्थात् 17 हजार करोड़ रूपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

हमले का उद्देश्य रूस में अग्रिम मोर्चे से दूर स्थित दुश्मन के बॉम्बर्स एयरक्राफ्ट को तबाह करना है। सूत्र ने बताया कि बेलाया एयरबेस पर आग लग गई।

कीव इंडिपेंडेंट की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि तबाह किये गये विमानों में टीयू-95 और टीयू-22एम3 बॉम्बर्स एयरक्राफ्ट के साथ-साथ कम से कम एक ए-50 हवाई अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट भी शामिल हैं। आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेना और नागरिक प्रतिक्रिया दल पहले ही खतरे से निपटने के लिए तैयार हो चुके हैं और ड्रोन लॉन्च सोर्स को ब्लॉक कर दिया गया है। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है। यह युद्ध का सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला यूक्रेनी ड्रोन हमला होगा और रूस के लिए एक बड़ा झटका।

शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, नुकसान की लागत 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा) हो सकती है। रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से लगभग 4 हजार किमी और ओलेन्या एयरबेस करीब 1800 किमी दूर हैं।

यूक्रेन का कहना है कि उन्होंने यह हमला इसलिए किया ताकि रूस की बमबारी रुक सके, क्योंकि लगभग हर रात रूसी विमान यूक्रेनी शहरों पर हमला करते हैं। यूक्रेन को उम्मीद है कि इस हमले से रूस की ताकत को झटका लगेगा।

रूस की ओर से अभी तक इस हमले को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन अगर यूक्रेन का दावा सही है, तो यह रूस की वायुसेना पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है। यूक्रेन ने यह भी कहा है कि उसके ड्रोन मिशन आगे भी जारी रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा सेवा इस हमले के लिए लगभग 18 महीने से तैयारी कर रही थी। उन्होंने इस ऑपरेशन का नाम 'वेब' रखा गया था। इस मिशन की निगरानी खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की कर रहे थे। वहीं, यह यूक्रेन की सुरक्षा सेवा चीफ वासिल मालियुक की देखरेख में हो रही थी।

केन्द्र में मंत्री रहते हुए विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं चिराग पासवान

पटना, 01 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार के मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं। चिराग के बाद उनके बहनोई अरुण भारती ने भी इसके संकेत दिए हैं। चिराग पासवान के बहनोई और जमुई से सांसद अरुण भारती ने चिराग पासवान के किसी सामान्य सीट से चुनाव लड़ने की बात कही है। इससे पहले चिराग पासवान खुद कई बार यह कह चुके हैं कि वह बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं। पिछले सप्ताह चिराग पासवान ने हाजीपुर में विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। अरुण भारतीने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा ''जब नेता पूरे बिहार का है, तो सीट का दायरा क्यों सीमित हो ? कार्यकर्ताओं की यह भी भावना है कि इस बार चिराग पासवान जी बिहार विधानसभा के चुनाव में किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें। चिराग पासवान अब सिर्फ एक समुदाय की नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं।'' चिराग पासवान हाजीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद और वर्तमान मोदी 3.0 कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री हैं।

पुणे में झील में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का अंदाजा नहीं लगा पाए। जब वे घर नहीं लौटे, तो उनके परिजनों ने अधिकारियों को सूचित किया। पीड़ितों की पहचान ओमकार बाबासाहेब हांगे (13), श्लोक जगदीश मानकर (11), प्रसाद शंकर देशमुख (11) और नैतिक गोपाल मोरे (12) के रूप में हुई है। ये सभी मेदंकरवाड़ी के रहने वाले थे। वे प्रवासी श्रमिकों के परिवारों से थे और रोजगार के लिए चाकन में आए हुए थे। पुलिस के अनुसार, झील के किनारे लड़कों के कपड़े और जूते मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। स्थानीय निवासी, चाकन पुलिस और ट्रेकिंग समूह बचाव प्रयासों में शामिल हुए और शाम तक चारों शव बाहर निकाल लिए गये।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908